लखनऊ

मंगलवार, 18 अगस्त , 2026

वर्ष : 11 | अंक: 349

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

सब्र एक ऐसी सवारी है, जो अपने सवार को कभी गिरने नहीं देती।

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
32°	28°
Hi	Low

संक्षेप

कॉकरोच जनता पार्टी के बाद अब बनी 'दिमागी नक्सल पार्टी', इंस्टाग्राम पर 24 घंटे में हुए 1.7 लाख फॉलोअर्स

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' के बाद अब 'दिमागी नक्सल पार्टी' नाम से सामने आया एक नया अकाउंट चर्चा का विषय बन गया है। दावा है कि इस अकाउंट ने महज 24 घंटे के भीतर 1.7 लाख से अधिक फॉलोअर्स जुटा लिए। हालांकि, अकाउंट के पीछे कौन व्यक्ति या समूह है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। इंस्टाग्राम पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, अकाउंट इसी महीने बनाया गया है। अकाउंट के रिकॉर्ड में यूजरनेम बदले जाने का भी उल्लेख है। अब तक इस पर करीब 63 पोस्ट अपलोड की जा चुकी हैं और यह लगभग 35 अकाउंट्स को फॉलो करता है। तेजी से बढ़े फॉलोअर्स के कारण यह अकाउंट सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया है। यह पूरा मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से दिए गए संबोधन के बाद चर्चा में आया। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा था कि जंगलों में हथियार उठाने वाले नक्सलवाद को काफी हद तक समाप्त किया जा चुका है, लेकिन 'दिमागी नक्सल' अब भी सक्रिय हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि ऐसे तत्व हिंसा के नए तरीके तलाश रहे हैं और देश को गलत दिशा में ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें अलग-थलग करने की जरूरत पर जोर दिया था। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए 'दिमागी नक्सल' शब्द की व्याख्या की थी। उनके अनुसार, यह शब्द उन लोगों के संदर्भ में इस्तेमाल किया गया है जो माओवादियों का समर्थन करते हैं, संविधान को स्वीकार नहीं करते या अलगाववादी गतिविधियों का समर्थन करते हैं।

एअर इंडिया के 2 और पायलट ड्रग टेस्ट में फेल, फ्लाइट रोस्टर से हो गई छुट्टी

नई दिल्ली। फुकेत-दिल्ली एयर इंडिया उड़ान में पायलट के कथित तौर पर ड्रग टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने के बाद एयरलाइन की ओर से शुरू की गई जांच में दो और पायलट शुरुआती ड्रग टेस्ट में पास नहीं हो सके हैं। सूत्रों के मुताबिक, दोनों पायलटों को फिलहाल ड्यूटी से हटा दिया गया है और उनके अंतिम टेस्ट के नतीजों का इंतजार किया जा रहा है। एयर इंडिया ने घटना के बाद अपने सभी पायलटों के ड्रग टेस्ट कराने का फैसला लिया था। यह जांच एयरलाइन की नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत की जा रही है। अब तक 300 से अधिक पायलटों का परीक्षण किया जा चुका है। सूत्रों के अनुसार, अंतिम जांच रिपोर्ट आने में सामान्यत: 24 से 48 घंटे का समय लग सकता है। सूत्रों के मुताबिक, फुकेत-दिल्ली उड़ान में मौजूद केबिन क्रू के एक सदस्य ने शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया गया कि उड़ान से पहले पायलट ने कथित तौर पर गांजा का सेवन किया था। शिकायत के बाद पायलट का ड्रग टेस्ट कराया गया, जिसकी प्रारंभिक रिपोर्ट पॉजिटिव आने की बात सामने आई। हालांकि, किसी भी कर्मचारी के खिलाफ अंतिम कार्रवाई फाइनल टेस्ट रिपोर्ट और संबंधित जांच के निष्कर्षों के आधार पर ही की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों का इस्तीफा मांगा जा रहा है

वकील के इस बयान पर CJI सूर्यकांत बोले- हम नाजुक दौर में

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान वकील राजा चौधरी ने कहा कि सोशल मीडिया पर सभी जजों का इस्तीफा मांगा जा रहा है, जिसके जवाब में चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम अभी नाजुक स्थिति में हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में वकील राजा चौधरी चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच से एक मामले की सुनवाई के लिए कह रहे थे। उनका कहना था कि कोर्ट टिप्पणी का इस्तेमाल कमर्शियल कामों में हो रहा है, जिस पर तुरंत रोक लगाने की जरूरत है।

लाइव लॉ के मुताबिक सुनवाई के दौरान राजा चौधरी ने कहा कि सोशल मीडिया पर अभियान चलाया जा रहा है। लोग सभी जजों के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। यह सही नहीं है। सुनवाई के दौरान वकील ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज केएम जोसेफ की टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें जोसेफ ने कहा था कि संवैधानिक सवालों वाले मामलों में तुरंत सुनवाई की जरूरत है।

जोसेफ के मुताबिक इसमें देरी का असर सिर्फ पक्षकारों पर नहीं, पूरे संवैधानिक ढांचे पर पड़ता है। वकील की इस दलील को सुनने के बाद चीफ जस्टिस ने कहा कि हम इस वक्त बेहद नाजुक स्थिति में हैं।

केंद्र के जवाब का इंतजार

चीफ जस्टिस ने वकील से कहा कि इस पर तब सुनवाई होगी, जब केंद्र सरकार अपना जवाब दाखिल कर देगी। केंद्र के जवाब दाखिल होने के बाद हम इस मामले पर सुनवाई करेंगे। मई में यह याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें कहा गया था कि कोर्ट की टिप्पणी का इस्तेमाल व्यावसायिक कामों के लिए नहीं किया जा सकता है। इस मामले में कोर्ट ने केंद्र को जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

आखिर पूरी कहानी क्या है?

एक याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कथित तौर पर कॉकरोच वाली टिप्पणी की थी। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी नाम से एक संगठन तैयार हो गया। इसमें जेन-जी युवा जुड़ गए, जिसने पेपर लीक और अव्यवस्था के खिलाफ सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। जुलाई के आखिर में कॉकरोच जनता पार्टी की मांगों के आगे केंद्र सरकार झुक गई। कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ता न्यायपालिका में भ्रष्टाचार, केंद्र सरकार की अव्यवस्था पर लगातार सवाल उठा रहे हैं।

प्रदेश की नौकरशाही में बड़ा बदलाव, एक साथ 18 आईएएस अधिकारियों के तबादले

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत 18 आईएएस अधिकारियों (सहायक मजिस्ट्रेटों) का स्थानांतरण कर उन्हें विभिन्न जिलों में संयुक्त मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात किया है।

जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, मुरादाबाद के सहायक मजिस्ट्रेट आदित्य श्रीवास्तव को संयुक्त मजिस्ट्रेट शाहजहांपुर बनाया गया है, जबकि फतेहपुर से नौशीन को बस्ती, उन्नाव से शौर्य अरोड़ा को बदायूं, बिजनौर से कुणाल रस्तोगी को गोरखपुर और गाजियाबाद से अयान जैन को आजमगढ़ का संयुक्त मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

इसी क्रम में आगरा से शिवम कुमार को महराजगंज, प्रयागराज से अनिमेष वर्मा को देवरिया, मिर्जापुर से श्री अंशुल हिंदल को सुल्तानपुर, अलीगढ़ से शुभांशु कटियार को जौनपुर, सहारनपुर से विनोद कुमार मीना को औरैया तथा कन्नौज से अर्पित कुमार को प्रयागराज में संयुक्त मजिस्ट्रेट पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तबादला सूची में आगे रिदम आनंद को सुल्तानपुर से कानपुर देहात, रमेश चंद्रा वर्मा को लखनऊ से बलिया, श्री जी अक्षय दीपक को झांसी से कुशीनगर, श्री तेजस के को बाराबंकी से मैनपुरी, मनीषा धावे को लखीमपुर खीरी से झांसी, आयुष अग्रवाल को सिद्धार्थ नगर से रायबरेली औरअपराजिता आर्यन को मुजफ्फर नगर से लखनऊ में संयुक्त मजिस्ट्रेट के रूप में नई तैनाती दी गई है।

राम मंदिर दान का होगा हिसाब: SIT को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल करने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी की जांच कर रही कोर्ट द्वारा गठित विशेष जांच टीम एसआईटी से अपनी जांच में तेजी लाने और दो सप्ताह में सीलबंद स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची तथा वी. मोहना की पीठ ने एसआईटी को दान में कथित चोरी के मामले में अब तक हुई जांच की प्रगति की स्टेटस रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल करने का निर्देश दिया। एसआईटी की रिपोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट दान प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नए निर्देश जारी कर सकता है।

पीठ ने एसआईटी से कहा कि जांच की गुणवत्ता और पारदर्शिता बेहतर बनाने के लिए अलग-अलग याचिकाकर्ताओं की ओर से दिए गए सुझावों पर निष्पक्ष रूप से विचार किया जाए। कोर्ट ने संकेत दिया कि जांच में किसी भी तरह की कमी न रहे और पूरे मामले की पड़ताल प्रभावी तरीके से आगे बढ़े।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट देखने के बाद वह राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की ओर से दिए जाने वाले दान के प्रबंधन में सुधार के लिए जरूरी निर्देश जारी कर सकता है। यानी कोर्ट की नजर केवल कथित हेराफेरी की जांच पर ही नहीं, बल्कि भविष्य में दान व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने पर भी है। इससे पहले 27 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर में दान की कथित हेराफेरी की जांच के लिए IGP किरण एस. की अध्यक्षता में गठित चार सदस्यीय एसआईटी का संज्ञान लिया था। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से जांच टीम में एक फोरेंसिक ऑडिटर को शामिल करने के लिए भी कहा था।

मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इसमें 'सुधारात्मक कदम उठाने होंगे'। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया था कि दान के प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। कोर्ट ने एसआईटी को दो सप्ताह के भीतर अपनी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा था कि दान में कथित हेराफेरी की जांच के लिए SIT गठित करने की क्या संभावना है।

7 महीने बाद नितिन नबीन की नई टीम का ऐलान, स्मृति की वापसी, अमित मालवीय की छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। 7 महीने बाद नितिन नबीन की नई टीम की घोषणा हो गई है। वसुंधरा राजे को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नितिन नबीन की नई टीम में 8 महासचिव बनाए गए हैं। अनिल बलूनी पहले की तरह मीडिया इंचार्ज पद पर बने रहेंगे। इसी तरह बीएल संतोष के पास भी संगठन महासचिव का पद पहले की तरह यथावत रहेगा।

वहीं आईटी सेल हेड अमित मालवीय की छुट्टी हो गई है। वे लंबे वक्त से बीजेपी संगठन में आईटी सेल के हेड थे। मालवीय की जगह दीपक महस्के को सोशल मीडिया का प्रभारी नियुक्त किया गया है। नितिन नबीन की नई टीम में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को भी जगह मिली है। उन्हें राजेश अग्रवाल की जगह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राजेश मंगल को सहकोषाध्यक्ष बनाया गया है। तरुण चुग मुख्यालय प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। मध्य प्रदेश बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष बीडी शर्मा को सभी इकाईयों का कॉर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। नितिन नबीन की नई टीम में 10 महिलाओं को शामिल किया गया है।

उपाध्यक्ष- वसुंधरा राजे, राम माधव, तीरथ सिंह रावत, बैजयंत जय पांड्या, रेखा वर्मा, डी पुरंदेश्वरी, भारती पवार, मनप्रीत बादल, वी नरेंद्र भाई दोषी, लाल सिंह आर्या, एम नागराज, तारिक मंसूर और मधुचंद्र कर।

महासचिव- सुनील बंसल, विनोद तावड़े, बिप्लब देव, स्मृति ईरानी, सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया।

संगठन महासचिव- बीएल संतोष

सह संगठन महासचिव- सौदान सिंह, शिवप्रकाश

राष्ट्रीय सचिव- कविता पाटीदार, के सुरेंद्रन, भोला सिंह, प्रदीप वर्मा, जगदीश पटेल, संदीप पाठक, फेंगनोन कोनयाक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, एम वेंकटेशन, मनोज टिग्गा, सिद्धार्थ शंभु, स्वदेश सिंह, मृगांका देब वर्मन, रोहन गुप्ता, जय प्रकाश।

मोर्चा अध्यक्षों की लिस्ट- हेमांग जोशी (युवा मोर्चा), रूप चौधरी (महिला मोर्चा), अमरपाल मौर्य (ओबीसी मोर्चा), शिवेश राम (एससी मोर्चा), बंसीलाल गुर्जर (किसान मोर्चा), मन्नालाल रावत (एसटी मोर्चा), कुवंर बासित अली (अल्पसंख्यक मोर्चा)

बीजेपी संगठन से इन नेताओं की छुट्टी

जेपी नड्डा की टीम में महासचिव पद पर कार्यरत अरूण सिंह, दुष्यंत गौतम, तरूण चुघ और राधामोहनदास अग्रवाल की छुट्टी हो गई है। इसी तरह संगठन में सचिव पद पर कार्यरत अरविंद मेनन, पंकजा मुंडे, नरेंद्र सिंह, अलका गुर्जर, ओमप्रकाश धुर्वे, रितुराज सिन्हा, कामाख्या प्रसाद ताशा, सुरेंद्र नागर की छुट्टी हो गई है। नड्डा की टीम में उपाध्यक्ष रहे सरोज पांडेय, डीके अरूणा, एम।चुबा राव, अब्दुल्ला कुट्टी को भी नई टीम में शामिल नहीं किया गया है।

झारखंड में बीच छात्रों की बड़ी जीत, जेपीएससी परीक्षा रद्द करने पर सहमत हुई हेमंत सरकार

रांची। रांची में जेपीएससी और जेएसएससी अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन के बीच झारखंड सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य सरकार की मंत्री दीपिका पांडेय ने कहा कि छात्रों की जायज मांगों को मानने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अभ्यर्थियों के साथ दो दौर की वार्ता के बाद कई मुद्दों पर सहमति बनी है। इसी क्रम में 14वीं जेपीएससी परीक्षा को रद्द करने पर भी सहमति बन गई है।

मंत्री दीपिका पांडेय ने बताया कि छात्रों के साथ बातचीत के बाद 14वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा टीडीपीएल द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं और जेपीएससी-जेएसएससी की जांच राज्य सरकार की जांच एजेंसी सीआईडी से कराने का फैसला किया गया है। यदि किसी मामले में केंद्रीय एजेंसी से जांच की आवश्यकता महसूस हुई तो राज्य सरकार श्वष्ठ को भी पत्र लिखेगी। जेपीएससी- जेएसएससी को लेकर अभ्यर्थियों की चिंताओं पर मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के बाद परीक्षा के नतीजे घोषित किए गए और नियुक्ति पत्र भी बांटे गए।

चिदंबरम के कार्यकाल में 5000 निर्दोष मरे, दिमागी नक्सल होने पर उन्हें गर्व: बीजेपी

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी के 'दिमागी नक्सल' वाले बयान पर बीजेपी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन पिछले 24 घंटे में दिमागी नक्सल खुद सामने आ गए। पी चिदंबरम ने खुद को दिमागी नक्सल कहा। उनके कार्यकाल में 5000 निर्दोष मारे गए। कांग्रेस सरकार में 180 नक्सल प्रभावित जिले थे। मनमोहन सिंह विवशता के चंगुल में फंसे थे। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि नक्सलवाद आंतरिक सुरक्षा का बड़ा खतरा है।

सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बहुत महत्वपूर्ण और आज के परिपेक्ष्य में अत्यंत उपयुक्त विषय 'दिमागी नक्सल' को उठाया। लेकिन हम लोग आश्चर्य में हैं कि मात्र 24 घंटे के अंदर किसके दिमाग में नक्सली दिमाग था वो खुद निकलकर सामने आ गया। पी चिदंबरम ने खुद आकर कहा कि उन्हें दिमागी नक्सली होने पर गर्व है। कितने आश्चर्य की बात है।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी और पी। चिंदबरम को याद दिलाना चाहता हूं कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 13 अप्रैल 2006 को कहा था कि 'इसे कहने में अतिशयोक्ति नहीं होगी कि नक्सलवाद का खतरा भारत के इतिहास में आज तक आंतरिक सुरक्षा के लिए उत्पन्न सबसे बड़ा खतरा है।

31 मार्च 2026 को प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने उस चीज को जिसे मनमोहन सिंह समझ गए थे, वह कार्य सिद्ध करके दिखाया लेकिन देश के एक ऐसे पूर्व गृह मंत्री हैं, जिसे इस पर गर्व नहीं हो रहा है बल्कि इस बात का गर्व हो रहा है कि वे 'दिमागी नक्सली' हैं। मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि क्या मनमोहन सिंह सही हैं या आज के 'दिमागी नक्सली' पी। चिदंबरम?।

वो दिमागी नहीं, प्योर नक्सली हैं... चिदंबरम पर CM हिमंत बिस्वा सरमा का बड़ा हमला

15 अगस्त को लाल किले के भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से किए गए 'दिमाग़ी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल किया गया था। जो अब सुर्खियों में छा गया है। इस शब्द को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। बीते दिन ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी। चिदंबरम ने कहा था कि उन्हें दिमागी नक्सल होने पर गर्व है। वहीं अब चिदंबरम पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि पी चिदंबरम 'दिमागी नक्सल' नहीं बल्कि प्योर नक्सली हैं। इसके साथ ही उन्होंने चिदंबरम के कार्यकाल की जांच की भी मांग की। सोमवार (17 अगस्त) को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम सरमा ने कहा कि पी चिदंबरम 'दिमागी नक्सल' नहीं बल्कि प्योर नक्सल हैं। उन्होंने कहा कि अब जब देश के होम मिनिस्टर रहे चिदंबरम ने खुद को 'दिमागी नक्सल' कहा है, तो इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि क्या उन्होंने देश के होम मिनिस्टर रहते हुए नक्सलवाद को खत्म करने के लिए जानबूझकर कोई एक्शन नहीं लिया। सीएम सरमा ने कहा कि जब पी चिदंबरम देश के होम मिनिस्टर थे उस समय छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं को बॉम से उड़ाया गया था। बावजूद इसके कांग्रेस ने नक्सल के सफाए के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

आतंक के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन, शहजाद भट्टी नेटवर्क पर कसा शिकंजा, 14 राज्यों में 200 से ज्यादा अरेस्ट

ISI समर्थित नेटवर्क पर सुरक्षा एजेंसियों का प्रहार, IED, ग्रेनेड और हथियार बरामद किए गए

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि ISI के सपोर्ट वाले आतंकी ग्रुप शहजाद भट्टी नेटवर्क को स्वतंत्रता दिवस से पहले खत्म कर दिया गया और सुरक्षा बलों ने उसके खतरनाक हमलों के प्लान को नाकाम कर दिया। शाह ने कहा कि 14 राज्यों में कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन के जरिए नेटवर्क के 200 से ज्यादा ऑपरेटिव को गिरफ्तार किया गया है।

अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले ISI के सपोर्ट वाले आतंकी ग्रुप शहजाद भट्टी नेटवर्क को खत्म कर दिया और 200 से ज़्यादा ऑपरेटिव को गिरफ्तार करके उसके खतरनाक हमलों के प्लान को नाकाम कर दिया।

आतंकी नेटवर्क को किया तबाह

उन्होंने आगे कहा, भारतीय सुरक्षा बलों ने 14 राज्यों में अलग-अलग जगहों पर कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन शुरू करके नेटवर्क को तहस-नहस कर दिया, जो आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो-टॉलरेंस की शानदार मिसाल है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ISI से फंडेड ग्रुप से इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IEDs), पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्टल, जिंदा कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल होने वाले CCTV कैमरे बरामद किए गए हैं। साथ ही, यह नेटवर्क कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था।

80 से ज्यादा FIR, 253 गिरफ्तारियां

सोमवार को एक प्रेस रिलीज में, गृह मंत्रालय ने कहा कि आतंकी सिंडिकेट का कई राज्यों में बड़ी कार्रवाई में भंडाफोड़ किया गया, जिसमें 14 राज्यों से 253 लोगों को हिरासत में लिया गया। मंत्रालय ने कहा कि शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' पॉलिसी के तहत 80 से ज्यादा FIR और 200 से ज्यादा गिरफ्तारियां दर्ज की गई हैं।

प्रेस रिलीज में कहा गया है कि शहजाद भट्टी नेटवर्क (SBN), पाकिस्तान में मौजूद, ISI का सपोर्ट वाला आतंकी सिंडिकेट है, जो पूरे भारत में ग्रेनेड, IED और पेट्रोल बम हमलों और टारगेटेड किलिंग से जुड़ा है। इसमें कहा गया है कि आतंकी ग्रुप पुलिस, डिफेंस और धार्मिक जगहों की रेकी करने और जासूसी के लिए CCTV कैमरे लगाने के लिए लोकल लोगों को पैसे दे रहा था।

ISI का सपोर्ट वाला आतंकी सिंडिकेट है SBN

इसमें कहा गया है कि 12 अगस्त को SBN से जुड़ी रुकावटों का मुकाबला करने के लिए राज्य पुलिस बलों के साथ रियल-टाइम इंटेलिजेंस-शेयरिंग सिस्टम का इस्तेमाल करके एक कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन चलाया गया था।

गृह मंत्रालय ने कहा, इसकी वजह से 14 राज्यों में 253 लोगों को हिरासत में लिया गया उत्तर प्रदेश (62), हरियाणा (52), दिल्ली (51), पंजाब (44), राजस्थान (15), महाराष्ट्र (8), उत्तराखंड (5), कर्नाटक, गुजरात और बिहार (हर एक में 3), और तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, J&K और केरल (हर एक में 2) और दिल्ली और कर्नाटक में नई FIR दर्ज की गईं।

आशा-आंगनबाड़ी का मानदेय बढ़ाने समेत 22 सूत्रीय मांगों को लेकर बीएमएस का प्रदर्शन

8वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करने और संविदा कर्मियों के नियमितीकरण की उठी मांग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी तथा कर्मचारियों और मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर सोमवार को जिला मुख्यालय पर आवाज बुलंद की। संगठन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित 22 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर विभिन्न मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की। मांगें पूरी न होने पर संगठन ने व्यापक आंदोलन की चेतावनी भी दी।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों को 1 जनवरी 2026 से लागू करने तथा न्यूनतम वेतनमान 72 हजार रुपये किए जाने की मांग की गई। इसके अलावा बीएसएनएल कर्मचारियों के वर्ष 2017 से लंबित 7वें वेतनमान को लागू करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। महिला कर्मियों से जुड़ी मांगों में आशा बहुओं का न्यूनतम मानदेय 18 हजार रुपये तथा आशा संगिनी का मानदेय 24 हजार रुपये किए जाने की मांग की गई। वहीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियमित करते हुए न्यूनतम 18 हजार रुपये मानदेय देने की मांग रखी गई। संगठन ने उत्तर प्रदेश रोडवेज के संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, मृतक आश्रित कोटे से जुड़ी बाधाओं को समाप्त करने तथा 108 और 102 एंबुलेंस सेवा से बर्खास्त कर्मचारियों की बहाली की मांग भी उठाई। एनएचएम संविदा कर्मियों के लिए बीमा सुविधा, वेतन विसंगतियों को दूर करने और ईएमएस व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग की गई। बैंक कर्मचारियों के लिए 5-डे बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही।

भारतीय मजदूर संघ ने असंगठित क्षेत्र के कामगारों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। संगठन ने पटरी-रेहड़ी दुकानदारों और ई-रिक्शा चालकों के उत्पीड़न पर रोक लगाने तथा धोबी, दर्जी, बढ़ई, लुहार, मोची, कुम्हार और दिहाड़ी मजदूरों को मजदूर श्रेणी में शामिल कर सामाजिक सुरक्षा का लाभ देने की मांग की। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा एवं जिला मंत्री शशांक मोहन शुक्ला ने कहा कि महंगाई और आर्थिक दबाव के कारण मजदूर एवं कर्मचारी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने समय रहते उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो संगठन को व्यापक आंदोलन के लिए सड़कों पर उतरना पड़ेगा। ज्ञापन कार्यक्रम की अगुवाई विभाग प्रमुख दिनेश शुक्ला ने की। प्रदर्शन में प्रेम चंद्र श्रीवास्तव, हरविन्दर सिंह, नीरज मिश्र, सुमित कुमार, अमित श्रीवास्तव, दिनेश कुमार, अखिलेश सिंह, जेपी शर्मा, सतीश चंद्र मिश्रा, बलराम चंद्र शुक्ला, देवेंद्र मिश्रा, हिमायत अली, नरेंद्र मिश्रा, रामदुलार यादव, सुनील पाठक, धर्मदेव तिवारी, विनय सेन, देवराज शुक्ल, निवास पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस पर सीएमओ ने परखी स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस के अवसर पर सीएमओ डॉ. भारत भूषण ने स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही प्रसवपूर्व जांच एवं मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया कि किसी भी गर्भवती महिला को आवश्यक जांच, उपचार और परामर्श से वंचित न रखा जाए। उन्होंने विशेष रूप से उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों की समय रहते पहचान कर उनका उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल उच्च स्वास्थ्य केंद्र के लिए रेफर करने के निर्देश दिए। सीएमओ ने कहा कि मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक गर्भवती महिला को सम्मानजनक, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को सहजन और अमरूद के पौधे भी वितरित किए गए। पौधों के वितरण के माध्यम से महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक संतोष यादव, सीएचसी बल्दीराय के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर समाजसेवी ने पूर्व सैनिकों का किया सम्मान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कुड़वार/सुल्तानपुर। 80 वे स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर रामलीला मैदान स्थित सामुदायिक भवन में समाजसेवी द्वारा भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया।

15 अगस्त को रामलीला कमेटी कुड़वार के अध्यक्ष राम सूरत तिवारी द्वारा सामुदायिक भवन पर झंडारोहण किया गया।झंडारोहण के बाद आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी पंकज तिवारी व उनके भाई दीपक तिवारी ने क्षेत्र के पूर्व सैनिकों हौसला प्रसाद मिश्रा, महेन्द्र कुमार त्रिपाठी,श्याम सुन्दर सिंह,कैलाश चंद्र पाठक व राम सहाय उपाध्याय को साल ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।उन्होंने बताया कि ऐसे कार्य करने की प्रेरणा उन्हें अपने पिता स्व अवधेश तिवारी से मिली थी।उनके द्वारा दिए गए संस्कारों के चलते इन दोनों भाइयों द्वारा लगातार समाजसेवा का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित राम प्रकाश शुक्ला, शिव प्रसाद बाजपेई ने संबोधित किया। इस मौके पर अखिलेश तिवारी, रमेश तिवारी, विजय तिवारी ,श्रवण मिश्र, गिरीश चंद्र श्रीवास्तव, पंकज गौतम, सादिक अली, अजीत कोरी, जितेंद्र सिंह, सूर्यभान सिंह सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

रोजगार सेवकों का 05 महीने से नहीं हुआ भुगतान, दिया ज्ञापन

कुड़वार सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक संघ कुड़वार इकाई द्वारा 05 महीने से मानदेय भुगतान न होने के कारण रोजगार सेवकों ने बीडीओ को ज्ञापन दिया।

सोमवार को रोजगार सेवक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष उमेश चंद्र तिवारी की अगुवाई में दर्जन भर रोजगार सेवकों ने खंड विकास अधिकारी विवेक कटियार से मिलकर ज्ञापन सौंपा। रोजगार सेवकों का आरोप है कि बीते 05 महीनों से मानदेय का भुगतान नहीं दिया गया। साथ ही मनरेगा योजना के वीवी जीरामजी योजना में परिवर्तित होने के बाद अभी तक आईडी पासवर्ड नहीं दिया गया।जिससे विकास कार्य अधूरा पड़ा है।साथ ही जो कार्य पहले करा दिया गया है उसका भुगतान नहीं हो पा रहा है।साथ ही मांग की गई कि एक सप्ताह के अंदर अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी का स्थानांतरण नहीं किया गया तो संगठन धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होगा।

तेजी से बढ़ीं गंगा-यमुना, दुकानें-शिविर समेटने लगे लोग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। सोमवार को प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ा। संगम नोज पूरी तरह जलमग्न हो गया। रामघाट, संगम पक्का घाट, वीआईपी घाट, किला घाट, दशाश्वमेध घाट, सरस्वती घाट और अरैल घाट तक पानी पहुंच गया। अचानक बढ़े जलस्तर से घाट किनारे दुकानें और शिविर लगाने वालों में हड़कंप मच गया। लोग सामान समेटकर सुरक्षित जगहों पर जाने लगे।

फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 79.47 मीटर पहुंच गया। यहां 24 घंटे में 28 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। छतनाग में जलस्तर 78.15 मीटर रहा। यहां 74 सेंटीमीटर की तेज वृद्धि दर्ज हुई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि एक दिन पहले जलस्तर काफी नीचे था। लेकिन बीती रात बहुत तेजी से बढ़ा। घाट पर लगे तंबूओं में पानी भर गया।

मेन सड़क से पानी कुछ ही दूरी पर है। वहीं कुछ लोग अपनी दुकानें और शिविर को उखाड़कर ऊपर की ओर शिफ्ट हो रहे हैं। उन्होंने बताया पानी एक रात में बहुत तेजी से आ गया। यहां का सामान सब हटाना पड़ेगा। कब यहां पर डूब जाए। इसलिए सामान हम लोग हटा के जल निगम के सामने परेड ग्राउंड में जा रहे हैं। जब गंगा जी घटेंगी तो वापस आएंगे। पहले तो यहां टीले बने थे ऊंचे-ऊंचे, जब से कुंभ से वो बराबर हो गया तो पानी तेजी से आ जाता है। और पीछे से राम घाट के वहां से पहले घुसता है, इधर से आ जाता है।

इस बाबत प्रशासन का कहना है कि पिछले 24 घंटों में जलस्तर का कुल अंतर सेंटीमीटर में नापा गया, पर वह अभी भी संभावित खतरे के स्तर से नीचे है। प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक जोखिम न लेने की अपील की है।

साथ ही पशुओं को सुरक्षित ऊंची जगह पर ले जाने और स्थानीय आपदा प्रबंधन केंद्रों से संपर्क में रहने को कहा गया है। नगर निगम व जल आपदा टीमों ने नियमित गश्त तेज कर दी है और आवश्यकता पड़ने पर राहत शिविर व सहायता की व्यवस्था तुरंत सक्रिय करने के निर्देश दिए गए हैं।

कोटेदारों को सरकार की सौगात, लाभांश 90 से बढ़कर 125 रुपये प्रति क्विंटल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के सरकारी राशन की दुकानों के संचालकों यानी कोटेदारों के लिए सरकार ने बड़ी राहत दी है। उचित दर विक्रेताओं का लाभांश 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्क्रीन के माध्यम से कोटेदारों को संबोधित करते हुए नई व्यवस्था और उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी दी।

कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी और पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल मौजूद रहे। नई व्यवस्था के तहत कोटेदारों को राशन वितरण के साथ अतिरिक्त आय के अवसर भी उपलब्ध कराने की तैयारी है। उचित दर की दुकानों पर 39 मानक वस्तुओं की बिक्री, कॉमन सर्विस सेंटर का संचालन तथा ई-पॉस मशीन के माध्यम से बिजली बिल जमा करने की सुविधा शुरू की जाएगी। बल्दीराय ब्लॉक सभागार में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहां जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह, एसडीएम प्रभात सिंह और पूर्ति निरीक्षक निर्भय सिंह की मौजूदगी में 69 कोटेदारों ने मुख्यमंत्री का संबोधन सुना। इसके साथ ही ई-पॉस आधारित फीडबैक प्रणाली की शुरुआत की गई है। इससे राशन वितरण व्यवस्था की निगरानी मजबूत होने के साथ ही उपभोक्ताओं की समस्याओं और सुझावों के आधार पर व्यवस्था में सुधार को गति मिलने की उम्मीद है।

स्व तशना ने अपनी शायरी के जरिए एक अलग पहचान बनाई- एम ए हसीन

प्रयागराज। करेली स्थित अदब घर में बज़्म अहबाब के तत्वाधान में मशहूर शायर और वरिष्ट पत्रकार स्व शाकिर हुसैन तशना कानपुरी की याद में एक शेरी नशिस्त का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता इलाहाबाद हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट एम ए हसीन ने की और मुख्य अतिथि के रूप में यूसुफ हबीब और विशिष्ट अतिथि में इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की पूर्व अध्यक्ष विभाग अरबी व फारसी की सालेहा रशीद, मोहर्रम कमेटी अध्यक्ष असरार नियाज़ी , तालीम घर के बानी अहसान उल्लाह अंसारी और अदब घर के बानी फरमूद इलाहाबादी उपस्थित रहे। प्रोग्राम का संचालन इलाहाबाद हाईकोर्ट सीनियर एडवोकेट बख्तियार यूसुफ ने किया। सीनियर एडवोकेट एम ए हसीन ने कहा कि स्व मशहूर शायर शाकिर हुसैन तशना कानपुरी एक बेहतरीन शायर ही नहीं थे बल्कि वो एक वरिष्ट पत्रकार थें। उन्होंने ने शेरों शायरी में अपनी एक अलग पहचान बनाई और आज वो हमारे बीच नहीं लेकिन वो हमारे दिलों में ज़िंदा हैं।

भारी बारिश से जलमग्न हुए मुहल्ले, कारें-बाइक डूबीं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। रविवार रात से शुरू हुई भारी बारिश के चलते सोमवार को शहर के कई इलाकों में हालात बेकाबू हो गए हैं। सड़कों और गलियों में घुटने भर से ज्यादा पानी भर गया है। शहर के सिविल लाइंस, जार्जटाउन, कटरा, निरंजन डॉटपुल, लीडर रोड, राजरूपपुर, चौक, दारागंज, टैगोर टाउन, अलोपीबाग, करेली समेत कई मोहल्लों में घरों में पानी भर जाने से परेशानी बढ़ गई है। करेली में एनडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए लगाया गया है।

प्रयागराज में आज (सोमवार) सुबह से रुक-रुक बारिश हो रही है। रविवार देर रात तेज बारिश होने से हालात बिगड़ गए हैं। करेली इलाके की कॉलोनियों और गलियों में 4 फीट तक पानी भर गया है। कारें और बाइकें डूब गई हैं। मकानों के ग्राउंड फ्लोर आधे डूब चुके हैं। लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। पुलिस और NDRF की टीम लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है। हालांकि, बारिश से लोगों को उमस से राहत मिली है। इससे तापमान में भी करीब 5 डिग्री की गिरावट आई है। बारिश के बाद सिविल लाइंस, निरंजन डॉट पुल, जॉर्ज टाउन, नया बस अड्डा, सीएमपी कॉलेज के सामने, गोविंदपुर और दलीगंज समेत कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। जलभराव से लोगों को आने-जाने में परेशानी हुई।

कुरेली के जसीर की पुलिया के पास सोमवार को भारी बारिश के बाद पूरे इलाके में जलभराव की स्थिति बन गई। कई घरों में बारिश का पानी भर गया। सूचना मिलते ही एसीपी अतरसुइया राम सिंह, एनडीआरएफ के जवान तत्काल मौके पर पहुंचे। टीम ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बोट की मदद से कई घरों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

करीब एक घंटे तक हुई बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। प्रमुख मार्गों के साथ कॉलोनियों की सड़कों पर भी पानी नजर आया। सुबह कामकाज के लिए निकले लोगों और वाहन चालकों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। बारिश थमने के बाद कुछ इलाकों में पानी धीरे-धीरे निकलने लगा।

भारत माता की जय के नारों से गूंजा शहर, सैकड़ों लोगों ने लिया हिस्सा

प्रयागराज। उ.प्र. अपराध निरोधक समिति, लखनऊ शाखा प्रयागराज द्वारा प्रदेशीय चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के निर्देशन में रविवार को राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाली विशाल तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ सायं पत्थर गिरजाघर, सिविल लाइंस से हुआ। यह यात्रा हनुमान मंदिर चौराहा, हाथी पार्क, कंपनी बाग चौराहा होते हुए सुभाष चंद्र बोस चौराहा पर संपन्न हुई।

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ समिति के वाइस चेयरमैन, पूर्व आईएएस डॉ. आर.एस. वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया। समिति के सचिव संतोष कुमार और डॉ. वर्मा ने स्वयं रैली की अगुवाई कर सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का उत्साह बढ़ाया। यात्रा में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दोपहिया वाहनों पर तिरंगा लेकर सहभागिता की। पूरे मार्ग में भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से वातावरण देशभक्ति से गूंजता रहा।

फीका पड़ गया नाग पंचमी का त्योहार: भागमभाग के जीवन ने ली सावन के झूलों और अखाड़ों की जगह

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। सावन की नाग पंचमी कभी गांव की जिंदगी में उमंग, उल्लास, मेल-मिलाप और लोक परंपराओं का पर्व हुआ करती थी। नाग देवता की पूजा के साथ खेत-खलिहानों, गांव की चौपालों और बाग-बगीचों में उत्सव का माहौल दिखाई देता था। लेकिन बदलते समय के साथ नाग पंचमी का वह पारंपरिक रंग अब धीरे-धीरे फीका पड़ता जा रहा है। कभी पेड़ों की मजबूत डालियों पर पड़ने वाले सावन के झूले और उनकी पेंग अब बीते दौर की याद बनते जा रहे हैं।

झूलों की पेंग से लेकर अखाड़े की हुंकार तक बदल गई तस्वीर

एक दौर था जब नाग पंचमी के आसपास गांवों में अखाड़े सजते थे। युवा और बुजुर्ग पहलवान मिट्टी के अखाड़े में दांव-पेंच आजमाते थे। कुश्ती केवल ताकत का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अनुशासन, भाईचारे और स्वस्थ जीवनशैली का प्रतीक मानी जाती थी। बच्चे और ग्रामीण, घंटों अखाड़े में बैठकर, पहलवानों के मुकाबले देखते थे। आज अधिकांश गांवों में ऐसे अखाड़े या तो उजड़ चुके हैं या फिर उनका अस्तित्व केवल बुजुर्गों की स्मृतियों में रह गया है।

सावन के गीतों की जगह मोबाइल की दुनिया

नाग पंचमी पर गांव की महिलाएं और युवतियां समूह में झूला झूलतीं थीं, सावन के लोकगीत गातीं थीं और एक-दूसरे के सुख-दुख साझा करती थीं। पेड़ों की डालियों पर झूलों की पेंग के साथ मनभावन कजरी से पूरा वातावरण सावनमय हो जाता था। अब न वह सामूहिकता रही और न वह उमंग। जो अब गांवों के गलियों का दिवास्वप्न बन गया है । मोबाइल, इंटरनेट और बदलती जीवनशैली ने लोगों के खाली समय और सामाजिक मेलजोल दोनों को प्रभावित किया है।

भागमभाग की जिंदगी में सिमटता जा रहा सामाजिक सौहार्द

आज की जिंदगी में पढ़ाई, नौकरी, रोजगार और प्रतिस्पर्धा की दौड़ इतनी तेज हो गई है कि लोगों को अपने लोगों के लिए ,परिवार और समाज के लिए , समय निकालना भी मुश्किल होता जा रहा है। पर्व-त्योहारों का सामूहिक स्वरूप ,धीरे-धीरे व्यक्तिगत गतिविधियों में बदल रहा है। इसका असर केवल नागपंचमी पर ही नहीं, बल्कि गांवों की अनेक लोक परंपराओं पर दिखाई दे रहा है।

नागपंचमी का धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक महत्व भी

नागपंचमी सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन नाग देवता की पूजा कर प्रकृति, जीव-जंतुओं और पर्यावरण के प्रति सम्मान की भावना व्यक्त की जाती है। ग्रामीण संस्कृति में यह पर्व खेती-किसानी और प्रकृति से गहरे जुड़ाव का भी प्रतीक रहा है। इसलिए नागपंचमी को केवल पूजा पाठ तक सीमित न रखकर इससे जुड़ी लोक परंपराओं, आपसी भाईचारे और सामूहिक उत्सव की संस्कृति को भी बचाने की जरूरत है।

बुजुर्गों की आंखों में आज भी जिंदा है वह सावन

गांव के बुजुर्ग आज भी उस दौर को याद करते हुए कहते हैं कि तब त्योहार लोगों को एक-दूसरे के करीब लाते थे। आज साधन बढ़े हैं, सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन सामूहिक खुशी और आत्मीयता बड़ी तेजी से कम होती दिखाई दे रही है। जरूरत इस बात की है कि आधुनिकता के साथ अपनी लोक संस्कृति और परंपराओं की डोर भी मजबूत रखी जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां नागपंचमी को केवल ष्कैलेंडरष की एक तारीख के रूप में नहीं, बल्कि गांव की मिट्टी, प्रकृति, प्रेम और सौहार्द से जुड़े जीवंत पर्व के रूप में जान सकें।

गोमती नदी में डूबे युवक का 700 मीटर दूर मिला शव

सुलतानपुर। कुरेभार थाना क्षेत्र के ग्राम मठिया बहादुरपुर में रविवार को गोमती नदी में डूबे युवक सूरज वर्मा पुत्र राम कृपाल वर्मा का शव सोमवार को बरामद कर लिया गया। शव घटनास्थल से करीब 700 मीटर की दूरी पर मिला।

रविवार को युवक के डूबने की सूचना कूरेभार पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू कराई गई। साथ ही एसडीआरएफ टीम को भी सूचना देकर मौके पर बुलाया गया था। सोमवार को तलाश के दौरान डूबने के स्थान से करीब 700 मीटर दूर युवक का शव बरामद हुआ। कूरेभार पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

उचित दर विक्रेताओं का मार्जिन 90 से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल, प्रदेश के 78 हजार से अधिक को मिलेगा लाभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के लगभग 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं के मार्जिन मनी में वृद्धि की गई है। अब उचित दर विक्रेताओं को 90 रुपये के स्थान पर 125 रुपये प्रति क्विंटल लाभांश मिलेगा। उन्होंने कहा कि उचित दर विक्रेता शासन और जनता के बीच महत्वपूर्ण सेतु हैं और सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।मुख्यमंत्री लोक भवन में उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में वृद्धि के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सिंगल स्टेज डोर-स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत ई-पॉस आधारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का शुभारंभ

किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने पहली बार उचित दर विक्रेताओं के मार्जिन मनी में 30 प्रतिशत की वृद्धि की है। पहले 70 रुपये प्रति क्विंटल मिलने वाला लाभांश बढ़ाकर 90 रुपये किया गया था। अब केंद्र सरकार ने इसमें 10 रुपये और प्रदेश सरकार ने 25 रुपये की वृद्धि की है। इस प्रकार कुल 35 रुपये की वृद्धि के बाद उचित दर विक्रेताओं को 125 रुपये प्रति क्विंटल लाभांश मिलेगा। प्रदेश सरकार ने केंद्र से इसमें 25 रुपये और वृद्धि करने का अनुरोध भी किया है।उन्होंने बताया कि सामान्यतः एक उचित दर विक्रेता को लगभग 100 क्विंटल राशन का आवंटन होता है। पहले 90 रुपये प्रति क्विंटल की दर से लगभग 12,750 रुपये प्रतिमाह आय होती थी। अब 125 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 100 क्विंटल राशन वितरण पर लगभग 16,250 रुपये प्राप्त होंगे। इसके अतिरिक्त दुकान पर अन्य सामान की बिक्री से होने वाला लाभ अलग होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उचित दर विक्रेताओं के प्रति लोगों में अविश्वास की स्थिति थी। व्यवस्था में पारदर्शिता की कमी का खामियाजा उचित दर विक्रेताओं को भुगतना पड़ता था। वर्ष 2017 के बाद ई-पॉस मशीनों की व्यवस्था और एफसीआई के गोदाम से उचित दर की दुकानों तक सिंगल डोर-स्टेप डिलीवरी शुरू की गई। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और राशन वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता आई।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उचित दर की दुकानों को अन्नपूर्णा भवन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिए इस वर्ष 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। अन्नपूर्णा भवन में दुकान के साथ भंडारण की सुविधा भी होगी। उचित दर विक्रेता अब राशन के अलावा कपड़े, साबुन, टूथपेस्ट, तेल सहित 39 प्रकार के सामान बेच सकते हैं। उन्होंने स्थानीय उत्पादों और 'एक जनपद, एक उत्पाद' के सामान को भी अन्नपूर्णा भवनों में रखने का आह्वान किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में करीब 15 करोड़ लोग प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से निःशुल्क राशन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। निराश्रित और दिव्यांगजन, जो उचित दर की दुकान तक नहीं पहुंच सकते, उनके राशन को घर तक पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। प्रदेश में दो करोड़ परिवारों को निःशुल्क रसोई गैस कनेक्शन तथा 1.53 करोड़ परिवारों को निःशुल्क बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। करीब 10 हजार राशन की दुकानों को अन्नपूर्णा भवन के रूप में विकसित किया जा चुका है।उन्होंने कहा कि खाद्य एवं रसद विभाग में व्यापक सुधार किए गए हैं। वर्ष 2017 से पहले जनता दर्शन में राशन वितरण से जुड़ी बड़ी संख्या में शिकायतें आती थीं, लेकिन अब ऐसी शिकायतों में उल्लेखनीय कमी आई है। कोरोना काल में भी उचित दर विक्रेताओं ने जरूरतमंदों तक राशन, दाल, नमक और तेल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।मुख्यमंत्री ने किसानों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने बिचौलियों की भूमिका समाप्त कर किसानों से सीधे खाद्यान्न खरीद की व्यवस्था लागू की है।

• संक्षेप •

पॉलिटेक्निक से चिनहट तक चला नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान, 53 रैंप और 6 गुमटियां हटाईं

लखनऊ। शहर में बढ़ते अतिक्रमण और यातायात अवरोधों पर अंकुश लगाने के लिए नगर निगम लखनऊ ने सोमवार को सघन अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर चलाए गए अभियान में सड़क, नाली और नालों की पटरियों पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। साथ ही गंदगी फैलाने और सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। जोन-7 में जोनल अधिकारी विकास सिंह के नेतृत्व में पॉलिटेक्निक चौराहे से चिनहट तक सड़क के दोनों ओर तथा नाली-नालों की पटरियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। नगर निगम की कार्रवाई का उद्देश्य प्रमुख मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाना रहा।अभियान के दौरान पॉलिटेक्निक चौराहे के आसपास बनाए गए 53 रैंप तोड़े गए। इसके अलावा 8 लोहे के काउंटर, 10 ठेले, 9 ठेलियां और 6 गुमटियां हटाई गईं। नगर निगम की टीम ने अतिक्रमणकारियों को दोबारा सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा न करने की चेतावनी भी दी।कार्रवाई जोनल अधिकारी विकास सिंह के नेतृत्व में कर अधीक्षक विनय मौर्या, ईटीएफ टीम तथा 296 टीम की मौजूदगी में की गई। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार शहर के प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत विभिन्न परियोजनाओं के लिए 24 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। योजना के तहत खारे जल में तालाब निर्माण एवं निवेश, मध्याकार आरएएस, रियरिंग यूनिट, बैकयार्ड आरएएस, जलाशयों में मत्स्य अंगुलिका संचय तथा पारंपरिक मछुआरा परिवारों के लिए आजीविका एवं पोषण संबंधी सहायता परियोजनाओं का लाभ पात्र लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा। इन परियोजनाओं के लिए विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 24 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है।मत्स्य विभाग के अनुसार प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत उपलब्ध अवशेष लक्ष्यों के सापेक्ष जनसामान्य को योजना का लाभ दिलाने के लिए आवेदन प्रक्रिया 14 अगस्त 2026 से शुरू की गई है। इसके तहत खारे जल में तालाब निर्माण एवं निवेश के लिए कुल 33 .93 हेक्टेयर क्षेत्र का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें सामान्य वर्ग, महिला तथा अनुसूचित जाति के लाभार्थी शामिल हैं।इसी प्रकार मध्याकार आरएएस के लिए सामान्य वर्ग में तीन इकाइयों का लक्ष्य रखा गया है। रियरिंग यूनिट के निर्माण के लिए महिला एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 22 .667 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैकयार्ड आरएएस के लिए महिला वर्ग में 241 इकाइयों का लक्ष्य है।

खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय भवन में लगी आग पर पुलिस और दमकल ने पाया काबू, जनहानि नहीं

लखनऊ। हजरतगंज स्थित खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय भवन में सोमवार सुबह अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही हजरतगंज पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस और दमकल कर्मियों की तत्परता से आग पर शीघ्र ही पूरी तरह काबू पा लिया गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 10 :30 बजे कंट्रोल रूम के माध्यम से थाना हजरतगंज को खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय, हजरतगंज भवन में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना हजरतगंज पुलिस तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। वहीं अग्निशमन केंद्र हजरतगंज से दो अग्निशमन वाहनों को आवश्यक उपकरणों के साथ मौके पर भेजा गया।घटनास्थल पर पहुंचने पर भवन के अंदर काफी धुआं भरा हुआ मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और अग्निशमन कर्मियों ने तत्काल आग बुझाने के साथ ही भवन से धुआं बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू की। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए भवन के अंदर सघन तलाशी अभियान चलाया गया कि कहीं कोई व्यक्ति आग और धुएं के बीच फंसा न हो।पुलिस और अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने समन्वय के साथ लगातार प्रयास करते हुए आग पर शीघ्र ही पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। आग बुझाने के बाद भवन को सुरक्षित करने और स्थिति का जायजा लेने की कार्रवाई भी की गई।अधिकारियों के अनुसार, घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। मौके पर स्थिति सामान्य और नियंत्रण में है। आग किस कारण लगी, इसकी जांच की जा रही है। आग से हुए नुकसान का भी आकलन किया जा रहा है।

मानकनगर पुलिस ने झपटमारी के मामले में वांछित आरोपी को दबोचा, 26 हजार रुपये का मोबाइल बरामद

लखनऊ। मानकनगर थाना पुलिस ने महिला से झपटमारी कर बैग छीनने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से झपटा गया करीब 26 हजार रुपये कीमत का वीवो कंपनी का टचस्क्रीन मोबाइल बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रमोद वर्मा पुत्र प्रदीप वर्मा, निवासी न्यू इन्द्रपुरी, भोला खेड़ा, कृष्णानगर, लखनऊ, उम्र करीब 24 वर्ष के रूप में हुई है। मामले में उसका साथी विशाल यादव उर्फ कल्लू को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।पुलिस के अनुसार, थाना मानकनगर में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 34/2026 की धारा 304(2)/317(2) बीएनएस से संबंधित घटना 3 जुलाई 2026 को हुई थी। बाइक सवार महिला सुबह करीब पांच बजे मोटरसाइकिल से जा रही थी। इसी दौरान अपाचे मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने उसके कंधे पर टंगे बैग पर अचानक झपट्टा मारकर उसे छीन लिया और तेज रफ्तार से फरार हो गए थे।घटना की जांच के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान विशाल यादव उर्फ कल्लू और प्रमोद वर्मा के रूप में की। आरोपी विशाल यादव उर्फ कल्लू को पुलिस ने 12 जुलाई 2026 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि उसका साथी प्रमोद वर्मा फरार चल रहा था।

दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3 .0 में 1,559 दिव्यांगजन रोजगार और स्वरोजगार से जुड़े

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर, सशक्त और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा मिशन निदेशक पुलकित खरे के निर्देशन में 3 से 13 अगस्त तक चलाए गए 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0' को बड़ी सफलता मिली है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में 11 दिन तक चले इस विशेष अभियान के दौरान रोजगार मेलों, नियुक्ति अभियान और स्वरोजगार गतिविधियों के माध्यम से कुल 1,559 दिव्यांगजन रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़े। इनमें 1,021 दिव्यांगजनों को नौकरी के अवसर मिले, जबकि 538 दिव्यांगजनों को अपना रोजगार शुरू करने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं और ऋण सुविधाओं से जोड़ा गया।व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी दिव्यांगजन रोजगार से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान' केवल नौकरी उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं है, बल्कि दिव्यांग युवाओं को आत्मविश्वास, सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने का अवसर देने की पहल है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के माध्यम से दिव्यांगजनों को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने का प्रयास किया जा रहा है।अभियान में रोजगार के साथ स्वरोजगार पर भी विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत 538 से अधिक दिव्यांगजन लाभान्वित हुए।

मूसलाधार बारिश में बच्चे को लेकर 'जनता दर्शन' पहुंचीं मां, सीएम योगी ने इलाज के लिए तत्काल आर्थिक सहायता के दिए निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मां अपने बच्चे की खुशियों और बेहतर स्वास्थ्य के लिए हर मुश्किल का सामना करने से पीछे नहीं हटती। सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'जनता दर्शन' में इसका भावुक उदाहरण देखने को मिला। मूसलाधार बारिश के बावजूद सीतापुर की रोली अपने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचीं और उसके इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने उनकी पीड़ा को गंभीरता से सुना और बच्चे के सिर पर हाथ रखकर उसके शीघ्र स्वस्थ होने का आशीर्वाद दिया। साथ ही इलाज में आर्थिक बाधा न आए, इसके लिए तत्काल अस्पताल से इलाज का एस्टीमेट मंगवाकर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।मुख्यमंत्री से मिले भरोसे के बाद रोली की आंखों में उम्मीद और खुशी की चमक दिखाई दी। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सरकार से मिले इस भरोसे से उनके बच्चे के इलाज की राह आसान होगी। मुख्यमंत्री ने भी उन्हें आश्वस्त किया कि गंभीर बीमारी के इलाज में धन की कमी किसी भी स्थिति में बाधक नहीं बनने दी जाएगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 'जनता दर्शन' में पहुंचे लोगों की समस्याओं को बेहद आत्मीयता के साथ सुनते हैं। सोमवार को भी उन्होंने एक-एक फरियादी के पास जाकर उनकी समस्याएं जानीं और अपनत्व के भाव से पूछा कि वे कहां से आए हैं और उन्हें क्या परेशानी है। उन्होंने सभी पीड़ितों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है और किसी को भी परेशान या घबराने की आवश्यकता नहीं है।'जनता दर्शन' में गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों और उनके परिजनों ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार जरूरतमंद लोगों के इलाज में लगातार आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि संबंधित अस्पतालों से इलाज का एस्टीमेट प्राप्त करने और उसकी औपचारिक प्रक्रिया को जल्द पूरा कर शासन को भेजने में किसी प्रकार की देरी न हो। पात्र लोगों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुलिस, राजस्व, चिकित्सा, भूमि विवाद, कब्जे और अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें भी सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रार्थना पत्र का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और फरियादी की संतुष्टि के अनुरूप किया जाए। किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और संबंधित अधिकारी मौके की स्थिति के अनुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।भूमि संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने राजस्व अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए, जबकि पुलिस से जुड़ी शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। चिकित्सा से संबंधित मामलों में भी उन्होंने संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने और जरूरतमंदों को शासन की सहायता योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं के निस्तारण में संवेदनशीलता और जवाबदेही दोनों दिखाई देनी चाहिए। सरकार का उद्देश्य है कि किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को अपनी समस्या के समाधान के लिए भटकना न पड़े। 'जनता दर्शन' में पहुंचे लोगों के प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक मामले का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए ।

आलू किसानों के लिए योगी सरकार का बड़ा फैसला, तीन योजनाओं से मिलेगा सीधा आर्थिक लाभ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार ने आलू उत्पादक किसानों के हित में बड़ा कदम उठाते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए तीन महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की हैं। इन योजनाओं के माध्यम से किसानों को आलू के बाजार भाव में गिरावट, शीतगृह में भंडारण की लागत और गुणवत्तापूर्ण बीज की खरीद में आर्थिक राहत दी जाएगी। उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने सोमवार को उद्यान भवन, सप्रू मार्ग, लखनऊ में योजनाओं के पारदर्शी एवं सुगम क्रियान्वयन के लिए नव विकसित ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ किया।मंत्री ने बताया कि आलू की अधिक पैदावार होने पर बाजार भाव में गिरावट के कारण किसानों को होने वाले नुकसान से राहत देने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के भामाशाह भाव स्थिरता कोष की स्थापना की गई है। इसके लिए चालू वित्तीय वर्ष में 100 करोड़ रुपये की टोकन धनराशि का प्रावधान किया गया है। योजना के तहत कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा आलू की उत्पादन लागत निर्धारित की जाएगी। किसानों को निर्धारित उत्पादन लागत के 25 प्रतिशत अथवा उत्पादन लागत और बिक्री दर के अंतर में से जो राशि कम होगी, वह अनुदान के रूप में दी जाएगी।भाव स्थिरता योजना के तहत प्रति किसान अधिकतम दो हेक्टेयर क्षेत्र तथा प्रति हेक्टेयर अधिकतम 240 क्विंटल आलू पर अनुदान अनुमन्य होगा। सरकार के अनुमान के अनुसार इस योजना से करीब 12 से 14 लाख आलू उत्पादक किसानों को लाभ मिलने की संभावना है। योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को केवल ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पात्र किसानों को अनुदान की धनराशि आधार से जुड़े बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से सीधे भेजी जाएगी।योजना की क्रियान्वयन अवधि 1 जनवरी से 15 अप्रैल तथा 1 जुलाई से 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। अनुदान का लाभ प्राप्त करने के लिए क्रेता-विक्रेता सौदा प्रपत्र अनिवार्य होगा। किसान मंडी, उपमंडी, शीतगृह परिसर अथवा अपने खेत पर आलू की बिक्री कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। ऑनलाइन व्यवस्था के माध्यम से आवेदन और भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है।योगी सरकार ने निजी शीतगृहों में आलू भंडारित करने वाले किसानों को भी बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। प्रदेश के 2,363 निजी शीतगृहों में वर्तमान में करीब 173.03 लाख मीट्रिक टन आलू भंडारित है। किसानों को भंडारण प्रभार में राहत देने के लिए 1,000 करोड़ रुपये की योजना लागू की गई है, जिसमें 100 करोड़ रुपये की टोकन धनराशि का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत किसानों को 100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अनुदान दिया जाएगा। एक किसान को अधिकतम 20,000 रुपये तक का लाभ मिल सकेगा। इससे 15 लाख से अधिक किसानों के लाभान्वित होने की संभावना है।तीसरी योजना के तहत किसानों को नवीन और उच्च गुणवत्ता वाली आलू प्रजातियों के बीज उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। इसके लिए पांच करोड़ रुपये की बीज विक्रय दर में छूट योजना लागू की गई है। योजना के अंतर्गत विभागीय आधारीय आलू बीज की खरीद पर अधिकतम 1,000 रुपये प्रति क्विंटल की छूट दी जाएगी।

अजय राय के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में तीन वर्ष पूरे, कांग्रेसजनों ने मिठाई खिलाकर मनाई खुशी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर सफलतापूर्वक तीन वर्ष पूर्ण होने पर सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेसजनों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई और अजय राय को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. उमा शंकर पाण्डेय ने बताया कि इस अवसर पर उत्साहित कांग्रेसजनों ने कहा कि अजय राय के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का संगठन लगातार मजबूत हुआ है। पार्टी ने आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष किया है और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में जनता की आवाज को मजबूती से उठाया है।कांग्रेसजनों ने कहा कि अजय राय के नेतृत्व में पार्टी ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों में आम नागरिकों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाई। जहां कहीं भी अत्याचार, अपराध या अन्याय की घटनाएं सामने आईं, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष स्वयं मौके पर पहुंचे और पीड़ितों के पक्ष में खड़े होकर उन्हें न्याय दिलाने के लिए प्रदेश सरकार के खिलाफ आवाज उठाई। कई मामलों में पुलिस द्वारा रोके जाने के बावजूद उन्होंने पीड़ित परिवारों तक पहुंचकर उनका दुख-दर्द साझा किया। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, पीड़ितों से मिलने के दौरान कई बार उनके खिलाफ मुकदमे भी दर्ज किए गए।कांग्रेसजनों ने कहा कि पेपर लीक के मामलों में छात्रों और युवाओं की आवाज उठाने में भी अजय राय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। किसानों की समस्याओं, महिला उत्पीड़न और व्यापारियों से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस लगातार सड़क पर संघर्ष करती रही है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से यूपी में आधुनिक मत्स्य पालन को मिल रही रफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि के साथ मत्स्य पालन भी किसानों की आय बढ़ाने के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रदेश में तालाब, जलाशय और अन्य जल संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए मत्स्य पालन के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं। आधुनिक तकनीक, गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज, वैज्ञानिक प्रबंधन और बेहतर बाजार सुविधाओं को बढ़ावा देकर मत्स्य पालन को ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी और लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में केंद्र और प्रदेश सरकार लगातार प्रयास कर रही हैं। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से प्रदेश में मत्स्य क्षेत्र के विकास को गति दी जा रही है।योजना के अंतर्गत लाभार्थीपरक और अलाभार्थीपरक दोनों प्रकार की परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य केवल मत्स्य उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि मत्स्य पालकों को आधुनिक तकनीक, आधारभूत सुविधाएं, परिवहन, विपणन और बेहतर बाजार उपलब्ध कराकर मत्स्य क्षेत्र की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करना है।प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत इनलैंड सेक्टर में 31 परियोजनाओं का संचालन किया गया है। इनके माध्यम से प्रदेश में मत्स्य पालन से जुड़े आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के साथ किसानों और मत्स्य पालकों को आधुनिक उत्पादन प्रणालियों से जोड़ा जा रहा है। योजना के तहत लगभग 2,763 हेक्टेयर क्षेत्र में तालाब निर्माण कराया गया है। इसके अलावा 482 हेक्टेयर में रियरिंग इकाइयां, 1,306 बायोफ्लॉक इकाइयां और 84 मत्स्य बीज हैचरियां स्थापित की गई हैं।इन आधुनिक प्रणालियों के विस्तार से सीमित क्षेत्र और जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए अधिक मत्स्य उत्पादन की संभावनाएं बढ़ी हैं। इससे पारंपरिक मत्स्य पालन को आधुनिक एवं व्यावसायिक स्वरूप देने में भी मदद मिल रही है।मत्स्य पालन को वैज्ञानिक और तकनीकी आधार देने के लिए योजना के अंतर्गत 1,304 आरएएस इकाइयों तथा 5,151 बैकयार्ड आरएएस इकाइयों से संबंधित कार्य कराए जा रहे हैं। आरएएस यानी पुनर्चक्रण आधारित जलकृषि प्रणाली में पानी का पुनर्चक्रण कर कम जल में मत्स्य पालन किया जा सकता है। इससे पानी की बचत के साथ उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहायता मिलती है।इसी प्रकार बायोफ्लॉक तकनीक कम स्थान और सीमित जल संसाधनों में अधिक मत्स्य उत्पादन के लिए उपयोगी साबित हो रही है।

देशभक्ति के रंग में रंगा जश्न! स्वास्थ्य, संस्कृति और संगीत के संग दिखा आज़ादी का अनूठा उत्सव

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में देशभक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता, भारतीय संस्कृति और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला। मैक्स हॉस्पिटल, खुशी फॉउण्डेशन, यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की शान-ए-अवध इकाई तथा सारेगामापा स्टार्स – "मन से मंच तक" के संयुक्त तत्वावधान में भव्य स्वतंत्रता दिवस एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, गणेश वंदना, स्वागत गीत और देशभक्ति प्रस्तुतियों के साथ हुआ। मुख्य अतिथि रंजन कुमार, प्रमुख सचिव (आयुष मंत्रालय) का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर स्वास्थ्य और संगीत को

एक मंच पर जोड़ना एक अभिनव पहल है।

देशभक्ति के साथ स्वास्थ्य का संदेश : कार्यक्रम में देशभक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ स्वास्थ्य जागरूकता पर भी विशेष जोर दिया गया। डॉ. अवधेश द्विवेदी और डॉ. विनीता द्विवेदी ने बीएलएस एवं सीपीआर के प्रति जागरूक किया। वहीं मैक्स हॉस्पिटल की ओर से डॉ. अपूर्व कुमार अग्रवाल ने बेहतर स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हेल्थ टिप्स प्रस्तुति के माध्यम से साझा किए।

सारेगामापा स्टार्स की प्रस्तुतियों ने जीता दिल : कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सारेगामापा स्टार्स के कलाकारों की शानदार गायन एवं वादन प्रस्तुतियां रहीं। पंकज श्रीवास्तव के संचालन में गोपेन्द्र कुमार वर्मा, पूनम त्रिपाठी, अरशद आज़म, श्याम भारद्वाज, अमित अरोड़ा, डॉ. प्रणव श्रीवास्तव, प्रीति वर्मा, अर्चना गुप्ता, अरुण श्रीवास्तव और रचना पांडेय ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गोपेन्द्र कुमार वर्मा ने "सावन का महीना पावन करे" और "किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार", पूनम त्रिपाठी ने "हर करम अपना करेंगे ऐ वतन तेरे लिए", अरशद आज़म ने "आने से उसके आए बहार", जबकि श्याम भारद्वाज ने "आ चल के तुझे मैं ले के चलूँ" जैसे लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए।

डॉ. प्रणव श्रीवास्तव ने "ऐ सजना बरखा बहार आई" से समां बांधा। प्रीति वर्मा की भक्तिमय प्रस्तुति "अच्युतम केशवम्..." ने वातावरण को आध्यात्मिक रंग दिया। अर्चना गुप्ता ने "तू जहाँ-जहाँ चलेगा", रचना पांडेय ने देशभक्ति गीत "ऐ मेरे वतन के लोगों" और अरुण श्रीवास्तव ने "तेरी आँखें झुकी-झुकी" प्रस्तुत कर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरीं।

बाल प्रतिभाओं ने बटोरीं खूब तालियां : गणेश वंदना पर शास्त्रीय नृत्यांगना पीहू द्विवेदी ने मनमोहक शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में 11 वर्षीय बाल प्रतिभा वाची सिंह की गायन प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। वहीं 10 वर्षीय राजवीर सक्सेना ने बांसुरी पर "राम आएंगे" की मधुर धुन प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और जमकर तालियां बटोरीं।

कलाकारों और सहयोगियों का सम्मान : कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति एवं लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियों के साथ कलाकारों, प्रतिभागियों और सहयोगियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आशुतोष अग्रवाल, नवीन गर्ग, वाई.पी.एस. भल्ला, चंद्रभूषण अग्रवाल, मीनाक्षी, तृष, संजय श्रीवास्तव, पूर्णिमा श्रीवास्तव, नवीन कुमार वर्मा, रश्मि वर्मा, सचिन सिंह, डॉ. प्रशांत गुप्ता, अभिज्ञान विक्रम सिंह, उत्कर्ष विराज, अर्चना गुप्ता, रचना पांडेय, विकास रस्तोगी, आकाश त्रिपाठी, रुद्राक्ष त्रिपाठी, वाची सिंह, सुनील कुमार सिंह, प्रीती यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मैक्स हॉस्पिटल की ओर से सुमन घोष एवं आशीष शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

आत्मनिर्भरता से विकसित भारत की ओर आजादी की उड़ान

15 अगस्त भारत के राष्ट्रीय जीवन का वह गौरवपूर्ण दिन है, जब हमारी धरती ने पराधीनता की लंबी रात के बाद स्वतंत्रता का सूर्य देखा था। 2026 में हम स्वतंत्रता का 80वां दिवस मना रहे हैं। यह केवल अतीत के गौरव को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन करने का भी समय है कि जिन सपनों के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, उन सपनों को हमने कितना साकार किया और अब 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को कैसा बनाना है। 1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी, लेकिन 2047 का लक्ष्य हमें आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक और नैतिक रूप से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने का है।

स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता तब सार्थक होगी, जब प्रत्येक नागरिक भय, अभाव, अशिक्षा, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने, जब राजनीति में सेवा, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया था; आज की पीढ़ी को देश को निर्भरता, पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बार-बार देश को आत्मनिर्भरता, नवाचार और युवाशक्ति का मंत्र दिया है। 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रतिभाशाली युवाओं और शोधकर्ताओं का आह्वान करते हुए पूछा कि भारत अपने लड़ाकू विमानों के लिए जेट इंजन स्वयं क्यों नहीं बना सकता। उन्होंने सेमीकंडक्टर से लेकर अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और रक्षा तक भारतीय प्रतिभा को अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं के विचारों को रोकने के बजाय उन्हें अवसर देने और उनके नवाचार को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बदलाव केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं स्टार्टअप, अंतरिक्ष, खेल, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से यह भी रेखांकित किया है कि भारत के युवाओं ने देश को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थान दिलाया है और अनेक छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवा नई तकनीकी संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत इसी बदलती मानसिकता का परिणाम है। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ बराबरी से खड़े होकर अपने सामर्थ्य के आधार पर प्रतिस्पर्धा करना है। भारत अब केवल आयात करने वाला विशाल बाजार नहीं रहना चाहता; वह निर्माण करने, नवाचार करने और दुनिया को निर्यात करने वाला देश बन रहा है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मा, रक्षा उपकरण, अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल सेवाओं में भारत की क्षमता लगातार बढ़ी है। गैर-पेट्रोलियम वस्तुओं के निर्यात ने भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति लगातार मजबूत हुई है। आत्मनिर्भरता की सबसे प्रभावशाली तस्वीर रक्षा क्षेत्र में दिखाई देती है। कभी भारत विश्व के बड़े हथियार आयातकों में गिना जाता था, लेकिन अब स्वदेशी उत्पादन और रक्षा निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के रक्षा निर्यात ने 38,424 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड स्तर हासिल किया, जो पिछले वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 62.66 प्रतिशत अधिक है। यह परिवर्तन बताता है कि भारत अब केवल अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा, बल्कि विश्व के देशों को रक्षा सामग्री उपलब्ध कराने की क्षमता भी अर्जित कर रहा है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने गोला-बारूद, हथियार, उप-प्रणालियां, प्रणालियां और महत्वपूर्ण पुर्जे लगभग 80 देशों तक पहुंचाए हैं। 2013-14 में रक्षा निर्यात महज 686 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गयाकृअर्थात एक दशक में लगभग 34 गुना वृद्धि। यह 'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की यात्रा का सशक्त प्रमाण है। लेकिन आत्मनिर्भर भारत की असली परीक्षा केवल अर्थव्यवस्था और तकनीक में नहीं है। हमें ऐसा भारत बनाना है जो आत्मनिर्भर होने के साथ आत्मसंयमी भी हो, शक्तिशाली होने के साथ संवेदनशील भी हो और आधुनिक होने के साथ अपनी संस्कृति एवं नैतिक जड़ों से जुड़ा भी हो। महात्मा गांधी, भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ने हमें बताया था कि विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य की गरिमा और समाज में शांति है। यदि तकनीक बढ़ती जाए लेकिन मनुष्यता घटती जाए, यदि संपन्नता बढ़े लेकिन संवेदना कम हो जाए, यदि अधिकारों की मांग बढ़े लेकिन कर्तव्यबोध समाप्त हो जाए तो स्वतंत्रता अधूरी ही रहेगी। हमारे सामने आज भी गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, भ्रष्टाचार, सामाजिक तनाव, हिंसा, पर्यावरण संकट और डिजिटल असमानता जैसी चुनौतियां हैं।

भारतीय परंपराओं में निहित है संवाद, संवाद से ही होता है समाधान

प्रज्ञा पांडेय

जेन-जी के साथ डिक्टेशन के बजाय डिस्कशन को प्राथमिकता देते हुए संघ प्रमुख ने संवाद का मार्ग चुना। यह पहल न केवल युवा पीढ़ी के विचारों, प्रश्नों और आकांक्षाओं को समझने की आवश्यकता को रेखांकित करती है

हाल ही में संघ प्रमुख श्री मोहन भागवत ने जेन जी से बातचीत की पहल की, इस प्रकार का संवाद नया नहीं हैं बल्कि हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा का हिस्सा रहा है जो जीवन से जुड़ी सत्य को उजागर करता है।

आज की युवा हमारी पीढ़ी जैसी नहीं बल्कि उससे थोड़ी अलग है वह आदेश नहीं, बल्कि तर्क, प्रश्न और संवाद चाहती है। जेन जी तर्क तो करते हैं लेकिन उसके साथ ही ये भारतीय संस्कृति, परिवार, सामाजिक उत्तरदायित्व और वसुधैव कुटुम्बकम् जैसे मूल्यों का भी सम्मान करते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा में संवाद का सर्वोच्च स्थान है। यहां गुरु शिष्य पर अपनी बात थोपता नहीं, बल्कि प्रश्नों के द्वारा उसकी शंका का समाधान कर उसे निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। इस प्रकार उदाहरणों में नचिकेता–यम संवाद और श्रीकृष्ण–अर्जुन संवाद विशेष रूप से विख्यात है। नेता-छात्र संवाद भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण भाग रहा है। हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा में देश के नेतृत्वकर्ताओं, सम्राटों, ऋषियों, गुरुओं एवं युवा शिष्यों, छात्रों के मध्य संवाद को समाज के निर्माण का मुख्य आधार माना गया है।

जेन-जी के साथ डिक्टेशन के बजाय डिस्कशन को प्राथमिकता देते हुए संघ प्रमुख ने संवाद का मार्ग चुना। यह पहल न केवल युवा पीढ़ी के विचारों, प्रश्नों और आकांक्षाओं को समझने की आवश्यकता को रेखांकित करती है, बल्कि भारत की उस प्राचीन संवाद-परंपरा की पुनर्प्रतिष्ठा भी करती है, जिसमें संवाद को सामाजिक जीवन का आधार माना गया है। आज जब भारत विकसित राष्ट्र की दिशा में आगे बढ़ रहा है, युवाओं के साथ संवाद की यह परंपरा उनके ऊर्जा, नवाचार और दृष्टि को राष्ट्र-निर्माण से जोड़ने में महती भूमिका निभा सकती है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में संवाद केवल वार्तालाप नहीं है, अपितु सत्य की खोज, आपसी मतभेदों का समाधान एवं ज्ञान के आदान-प्रदान का जरिया रहा है। उपनिषदों में वर्णित गुरु-शिष्य के मध्य संवाद, भगवद्गीता में श्रीकृष्ण एवं अर्जुन का संवाद तथा बौद्ध-जैन परंपराओं की शास्त्रार्थ परंपरा इसका अनोखा उदाहरण है जो हमें दो पीढ़ियों की बीच हुए संवाद की महत्ता बताते हैं। हमारी भारतीय परंपरा का मूल मंत्र है ₹वादे वादे जायते तत्त्वबोधः₹, अर्थात संवाद से ही सत्य का बोध होता है। मोहन भागवत का जेन जी से संवाद इसी परंपरा को वर्तमान में आगे बढ़ाने का प्रयास है, जिसमें युवाओं के साथ सम्मानपूर्ण, तर्कपूर्ण और खुले संवाद के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों को जोड़ने की बात कही गई है।

नचिकेता–यम संवाद भारतीय ज्ञान परंपरा में एक प्रमुख संवाद है। नचिकेता की उम्र आज की जेन अल्फा पीढ़ी के बराबर की थी जब बालक नचिकेता एवं यमराज के मध्य संवाद के द्वारा आत्मा, ब्रह्म, मोक्ष और जीवन के सत्य पर विस्तृत बातचीत हुई। इस संवाद की विशेषता यह रही है कि यहां गुरु ने प्रश्न पूछने से नहीं रोका बल्कि जिज्ञासा का सम्मान किया, तर्क एवं विवेचन द्वारा विश्लेषण कर उत्तर दिया। सत्य को कृत्रिम न कर उसे स्वयं समझने का अवसर प्रदान किया।

इसी प्रकार करुक्षेत्र की रणभूमि में श्रीकृष्ण एवं अर्जुन का संवाद भारतीय ज्ञान परंपरा में जीवन से जुड़े सत्यों का विश्लेषण करने में विशेष महत्ता रखता है। गीता के उपदेश के उपरांत श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि सभी तथ्यों पर विचार कर अपनी इच्छानुसार सब कुछ करो। यह भारतीय संवाद परंपरा का सर्वोच्च आदर्श है। इसमें श्रीकृष्ण ने निर्णय अर्जुन पर छोड़ दिया। उन्हें ज्ञान दिया, तर्क दिया, मार्गदर्शन दिया, परंतु निर्णय की स्वतंत्रता लेने की स्वतंत्रता नहीं छीनी। ₹इति ते ज्ञानमाख्यातं गुह्याद्गुह्यतरं मया। विमृश्यैतदशेषेण यथेच्छसि तथा कुरु॥₹ (गीता 18.63

प्रश्न पूछना दोष नहीं, ज्ञान का प्रारंभ है। गुरु का कार्य आदेश देना नहीं, मार्गदर्शन करना है। संवाद का उद्देश्य किसी पर विचार थोपना नहीं, सत्य का बोध कराना है। अंतिम निर्णय व्यक्ति की विवेकपूर्ण स्वतंत्रता पर छोड़ा जाता है। इसी कारण नचिकेता–यम संवाद और श्रीकृष्ण–अर्जुन संवाद भारतीय ज्ञान परंपरा में आदर्श माने जाते हैं। आज के संदर्भ में भी जब युवाओं से संवाद की बात होती है, तो उसका आशय यही है कि उनकी जिज्ञासाओं का सम्मान किया जाए, तर्कपूर्ण चर्चा हो और उन्हें सोच-समझकर स्वयं निर्णय लेने का अवसर दिया जाए।

इसके अलावा चाणक्य एवं चंद्रगुप्त का संवाद भी भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां चाणक्य एक दूरदर्शी शिक्षक और नेता के रूप में युवा छात्र चंद्रगुप्त का मार्गदर्शन कर उन्हें अखंड भारत का सम्राट बनाया। विवेकानंद भी हमेशा युवाओं से सीधा संवाद करते थे ताकि उनमें राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत हो और वह राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

हमारी भारतीय संस्कृति में संवाद अर्थहीन नहीं है अपितु अपने अंदर महत्वपूर्ण मूल्यों को समाहित किए हुए। इनमें विनय एवं बड़ों के प्रति सम्मान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हमारी भारतीय संस्कृति छात्रों को हमेशा विनयशीलता एवं गुरुजनों के प्रति आदर करना सीखाती है। साथ ही अपने गुरुजनों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनना छात्रों का गुण माना जाता है। यह संवाद कभी अर्थहीन नहीं होते। इनका उद्देश्य किसी को हराना नहीं, बल्कि सत्य और सही मार्ग को खोजना होता है। भारतीय ज्ञान परंपरा में वर्णित संवादों के अपने लोकतांत्रिक मूल्य हैं। संवाद के परंपरागत मार्ग हमारे लोकतंत्र और जीवंत होता है। वर्तमान के युवा ही भविष्य के नेता होते हैं, यह संवाद उन्हें इस जिम्मेदारी का अहसास कराता है।

व्यंग्य

ट्रंप का गरम रुख

ईरान होरमुज बंद करने में सक्षम बना हुआ है, इसलिए युदध थमने की उम्मीद जगने के बीच अक्सर ट्रंप का गरम रुख सामने आ जाता है। मगर हालात जल्द ही उन्हें नरम होने पर मजबूर कर देते हैं।

डॉनल्ड ट्रंप ईरान को तबाह कर देना चाहते हैं। उनकी ये मंशा हर उस कार्रवाई के बाद उग्र रूप में जाहिर होती है, जब ईरान अमेरिका को ललकारता नजर आता है। लेकिन जब उनके सैन्य सलाहकार बताते हैं कि अमेरिका के लिए नए हमले करना जोखिम भरा है और साथ ही उनकी धमकियों से महंगाई और अमेरिकी बॉन्ड की ब्याज दरें बढ़ने लगती हैं, तो ट्रंप समझौते की दिशा में प्रगति का एलान करते हुए कदम पीछे खींच लेते हैं। जबकि ईरान जल्द ही ऐसी किसी प्रगति का खंडन कर देता है।

पिछले 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद कम-से-कम पांच बार ऐसा हुआ, जब ट्रंप ने ईरान को धरती से मिटा देने या उसके बुनियादी ढांचे को नष्ट कर देने का अल्टीमेटम दिया। और हर बार उन्होंने कदम वापस खींचे। इस बीच सहमति-पत्र (एमओयू) पर दस्तखत के जरिए उन्होंने युद्ध के मकड़जाल से निकलने की कोशिश की, लेकिन ईरान ने इसमें भी उनकी मदद नहीं की। ईरान सिर्फ इस शर्त पर युद्ध रोकने को राजी है कि अमेरिका होरमुज जलडमरूमध्य पर उसकी संप्रभुता स्वीकार करे। मगर ऐसा करना ना सिर्फ अमेरिकी, बल्कि लगभग 300 साल से जारी पश्चिमी वर्चस्व के पराभव पर अंतिम मुहर के रूप में देखा जाएगा।

इससे संदेश जाएगा कि साझा पश्चिम अब दुनिया भर में मुक्त नौवहन सुनिश्चित कराने में सक्षम नहीं रह गया है। अमेरिका के लिए इस बात को इतनी आसानी से पचा लेना आसान नहीं है। चूंकि ईरान होरमुज और यमन के अंसारुल्लाह (हूती) के जरिए बाब-ए-मंदाब जलमार्गों को बंद करने में सक्षम बना हुआ है, इसलिए हर बार युदध थमने की उम्मीद जगने के तुरंत बाद ट्रंप का गरम रुख सामने आता है और युद्ध तेज होने के संकेत मिलने लगते हैं। मगर परिस्थितियां जल्द ही उन्हें नरम होने पर मजबूर कर देती हैं। फिर वैसा ही हुआ है। फिलहाल, ट्रंप के इस दावे पर यकीन करना कठिन है कि खाड़ी में अमेरिका के सहयोगी देश ईरान के साथ शांति समझौते के किसी फॉर्मूले पर पहुंच गए हैं। इसलिए युद्ध टलने की खबरें फ़ौरी राहत से ज्यादा कुछ नहीं हैं।

ब्लॉग

बोफोर्स कांड: एक झूठ के शापित होने का सच

अशोक मधुप

एक झूठ के बल पर खड़ा हुआ बोफोर्स कांड सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अब फाइलों में बंद हो गया। केस चालीस साल चला। इस पर 250 करोड़ रूपये व्यय हुए। इतना सब होने और चालीस साल की जीतोड़ कवायद के बाद भी बोफार्स खरीद में रिश्वत लेने की सच्चाई सामने नही आई। केस तो खत्म हो गया किंतु यह ये नहीं हो पाया कि इस प्रकरण में रिश्वत ली गई या नहीं। कोर्ट के केस खारिज करने के बाद भी रिश्वत लेने का आरोप आज भी अपनी जगह खड़ा है। इस कांड का पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी एवं अन्य आरोपियों के माथे पर लगा बेइमानी का दाग कभी खत्म नहीं हो पाएगा? क्या उनके परिवार माथे पर लगे इस कलंक से मुक्त हो पाएंगे? क्या उनके परिवार के सम्मान की हुई क्षति की कभी पूर्ति हो सकेगी? पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के बार–बार बोले जाने वाले बोफोर्स खारीद में रिश्वत ने जनता के मन में तक जमाये झूठ के कारण राजीव गांधी से जनता दूर हो गई और उन्हें अपनी सरकार तक गंवानी पड़ी।

सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुजा ब्रदर्स को बरी करने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के 2005 के फैसले के खिलाफ दायर अंतिम अपील को भी खारिज कर दिया है। इसके साथ ही भारत के सबसे चर्चित और लंबे समय तक चलने वाले भ्रष्टाचार के मामलों में से एक बोफोर्स कांड का कानूनी अध्याय हमेशा के लिए बंद हो गया है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

मामले में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस विनोद के. चंद्रन की बेंच ने याचिकाकर्ता अधिवक्ता की स्थगन की मांग को ठुकराते हुए मामले की आखिरी याचिका को खारिज कर दिया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भी इस मामले में अपील की थी। इस अपील को भी सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में ही देरी के आधार पर खारिज कर दिया था। 1986 में हुए इस रक्षा सौदे का विवाद लगभग 40 साल तक अदालतों और भारतीय राजनीति के केंद्र में रहा और अंत में समाप्त हो गया। पूरा मामला 24 मार्च 1986 को भारत सरकार और स्वीडिश कंपनी एबी बोफोर्स के बीच हुए 1,437 करोड़ रुपये के उस समझौते से जुड़ा है। इसके तहत भारतीय सेना के लिए 400 हॉवित्जर तोपें खरीदी जानी थीं। साल 1987 में स्वीडिश रेडियो ने यह सनसनीखेज खुलासा किया कि इस सौदे को हासिल करने के लिए भारतीय राजनेताओं और रक्षा अधिकारियों को अवैध कमीशन दिए गए थे। इस खुलासे ने भारतीय राजनीति में तहलका मचा दिया था।

कांग्रेस छोड़ने के बाद, विश्वनाथ प्रताप (वीपी) सिंह ने खुद को एक 'ईमानदार नेता' (मिस्टर क्लीन) के रूप में स्थापित किया। उन्होंने राष्ट्रीय मोर्चा (जनता दल) का गठन किया। 1989 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान वीपी सिंह अपनी रैलियों में बेहद आक्रामक रहे। वह अक्सर मंचों से अपनी जेब से एक सफेद पर्ची निकालकर लहराते थे। उनका दावा था कि उस पर्ची पर बोफोर्स घोटाले के पुख्ता सबूत, दलाली की रकम पाने वालों के नाम और राजीव गांधी के कथित स्विस बैंक खातों के नंबर लिखे हैं। कथित स्विस बैंक खातों के नंबर लिखे हैं। इस आक्रामक अभियान ने जनता के बीच राजीव गांधी सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश पैदा किया। बोफोर्स घोटाले को मुख्य चुनावी मुद्दा बनाकर वीपी सिंह ने विपक्ष को एकजुट किया। इस आक्रामक अभियान ने जनता के बीच राजीव गांधी सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश पैदा किया। उनकी बेइंतहा छवि खराब की। राजीव गांधी सरकार पर गंभीर सवाल उठे और 1989 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की हार का इसे एक बड़ा कारण माना गया। प्रधानमंत्री बनते ही वीपी सिंह ने बोफोर्स कंपनी पर भारत के साथ भविष्य के किसी भी रक्षा सौदे के लिए प्रतिबंध लगा दिया। उन्होंने मामले की जांच के लिए अधिकारियों की एक विशेष टीम भी गठित की। भारी वादों और दावों के बावजूद, झूठ के बल पर बनी वीपी सिंह की सरकार केवल 11 महीने चली। सकार बनने के बाद वीपी सिंह 11 महीने की आपनी सरकार के कार्यकाल में कोई भी सबेत नही दे सके। स्विस बैंक का खाता भी नही बता पाए। ये सरकार राजीव गांधी के खिलाफ सीधे तौर पर कोई ठोस कानूनी सबूत पेश नहीं कर सकी। आलोचकों का कहना है कि चुनावी रैलियों में जिस पर्ची का दावा किया गया था, उसका सच कभी पूरी तरह सामने नहीं आ सका।

स्विस रेडियो की एक घोषणा और वीवी सिंह द्वारा बार–बार रिश्वत खाने के लगाए आरोप ने इस महत्वपूर्ण शस्त्र सौदे को नुकसान पंहुचाया। इस पर प्रतिबंध लगाया। यही बोफोर्स तोप कारगिल युद्ध में सबसे मारक शस्त्र बनी। अगर ये सौदा रद्द न होता तो देश की सेना और ज्यादा मजबूत होतीं। एक बात और इस तरह के आरोप लगाने के बाद अधिकारी और ज्यादा सचेत हो जाते हैं। वे देश और सेना के लिए महत्वपूर्ण और अतिआवश्यक उपकरण भी लेते बचते हैं।

इन कांड की सीबीआई ने जांच की। सीबीआई ने जनवरी 1990 में एफआईआर दर्ज की। अक्तूबर 2000 में दायर की गई सप्लीमेंट्री चार्जशीट में हिंदुजा बंधुओं (श्रीचंद, गोपीचंद और प्रकाश हिंदुजा) का नाम भी शामिल किया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने 31 मई 2005 को अपने फैसले में हिंदुजा ब्रदर्स और स्वीडिश फर्म एबी बोफोर्स के खिलाफ चल रही सभी आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया था। साथ ही, हाईकोर्ट ने सीबीआई की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए यह भी टिप्पणी की थी कि इस जांच पर सरकारी खजाने के करीब 250 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस मामले के लंबे खिंचने पर हैरानी जताई। जब याचिकाकर्ता के वकील ने कुछ मृत प्रतिवादियों के नाम हटाने के लिए चार हफ्ते का समय मांगा, तो जस्टिस पारदीवाला ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा, 'हिंदुजा ब्रदर्स और सीबीआई को लेकर यह सब क्या चल रहा है? सभी कार्यवाही रद्द हो चुकी हैं, यह क्या है? कितने साल बीत चुके हैं?' वहीं, वकील द्वारा यह याद दिलाने पर कि यह सौदा 1986 में हुआ था, बेंच ने स्पष्ट कर दिया कि अब इस मामले में और देरी या सुनवाई की कोई गुंजाइश नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के इस अंतिम निर्णय के साथ ही बोफोर्स पे-ऑफ केस से जुड़ी सभी कानूनी लड़ाइयां अब आधिकारिक रूप से समाप्त हो गई हैं। इस विवाद के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार को भारी राजनीतिक नुकसान हुआ। वर्ष 1989 के आम चुनावों में कांग्रेस पार्टी की हार का इसे एक प्रमुख कारण माना गया। इस मामले में ओत्तावियो क्वात्रोची और हिंदुजा बंधुओं जैसे नाम लंबे समय तक कानूनी और राजनीतिक बहसों का केंद्र रहे। लगभग चार दशकों तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद, न्यायालय ने इस मामले से जुड़ी आखिरी याचिकाओं को खारिज कर दिया। स्विस सरकार द्वारा कराई जांच भी आरोप सिद्ध नही कर सकी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब ये केस सदा–सदा के लिए बंद हो गया। एक आरोप की जांच पर सीबीआई ने 250 करोड़ के आसपास व्यय किए। न्यायालय का लंबा समय बरबाद किया। न्यायालय भी केस का सच नही बता पाया। 40 साल चले केस में भी यह ये नहीं हुआ कि बोफार्स खरीद में रिश्वत ली गई या नहीं। इस सबके बाबजूद आरोप तो आज भी वैसा ही खड़ा है, जैसा पहले था। 40 साल में यह आरोप अखबार और फाइलों के लाखों पन्नों पर छप गया। जनता में मन में यह धारणा इतनी पक्की हो गई, कि ये कभी खत्म नहीं होगी। आने वाली पीढ़ियों तक इसे नहीं भूल पाएंगी। क्या आरोपी परिवारों के भंग हुए सम्मान की भरपाई हो पाएगी। यदि आरोप न आता तो हो सकता था कि राजीव गांधी की सरकार और चलती। बोफार्स कांड बंद हो गया किंतु राजीव गांधी और उनके तथा अन्यों के परिवार के माथे पर एक बार–बार बोले जाने वाले झूठ के बल पर लगा रिश्वतखोरी का कलंक कभी खत्म हो पाएगा? कभी नहीं। हिटलर ने कहा था कि एक झूठ का बार–बार बोलिए, वह सच बन जाएगा। ऐसा ही इस बोफोर्स कांड में हुआ। बोफार्स की खरीद में रिश्वतखोरी का आरोप इतनी बार लगा कि यह हिटलर का सच बन गया।

शिव और राम की आराधना से गूंजी अयोध्या की गलियां

तीसरे सोमवार व नागपंचमी के अद्भुत संगम पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। सावन के तीसरे सोमवार और नाग पंचमी के पावन अवसर पर रामनगरी अयोध्या पूरी तरह शिवमय हो गई। तड़के सुबह से ही शहर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से पूरा अयोध्या गूंज उठा। भक्तों ने सबसे पहले पवित्र सरयू नदी में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद श्रद्धालु प्राचीन नागेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे, जहां भगवान श्रीराम के पुत्र कुश द्वारा स्थापित माने जाने वाले इस मंदिर में विशेष जलाभिषेक किया गया। योगी सरकार के दिशा निर्देश पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

सोमवार को नागेश्वरनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने चरणबद्ध तरीके से प्रवेश की व्यवस्था की। सुरक्षा और यातायात के व्यापक इंतजाम किए गए। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात रहा। बैरिकेडिंग लगाई गई और निगरानी की विशेष व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और देश की खुशहाली की कामना की। इसके अलावा क्षीरेश्वरनाथ, पंचमुखी महादेव, झारखंडेश्वर व रुद्रेश्वर महादेव समेत अन्य शिवालयों में देर शाम तक ओम नमः शिवाय की गूंज सुनाई देती रही। श्रद्धालुओं का कहना था कि ऐसे पावन अवसर पर सरयू स्नान, शिव जलाभिषेक और रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिलना अद्भुत अनुभव है। अयोध्या की गलियां आज शिव और राम दोनों की आराधना से गूंज रही थीं।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में भी श्रद्धा और उत्साह का अनोखा माहौल देखने को मिला। मुख्य मंदिर में माता सीता और श्रीराम समेत चारों भाई चांदी के हिंडोले में विराजमान रहे। रामभक्त श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर प्रभु को झूला झुलाया और जयकारे लगाए। राम में रमे भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था। मुख्य मंदिर और परकोटे के दक्षिणी भुजा के मध्य स्थित शेषावतार मंदिर इस अवसर पर विशेष आकर्षण का केंद्र बना। लक्ष्मण जी के शेषावतार स्वरूप की विशेष पूजा-अर्चना की गई। नाग पंचमी के दिन शेषनाग के अवतार के रूप में लक्ष्मण जी की यह पूजा श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

अयोध्या एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि जिला प्रशासन ने पूरे दिन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई कसर नहीं छोड़ी। यातायात व्यवस्था सुचारू रखने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए। शहर के विभिन्न शिवालयों और राम मंदिर परिसर में भक्तों की आवाजाही बनी रही। सावन के इस पावन सोमवार और नाग पंचमी ने अयोध्या को एक बार फिर भक्ति और आस्था का केंद्र बना दिया।

रामलला दर्शन को आने वाले श्रद्धालु हमारे अतिथि, करें सत्कार : गिरीशपति त्रिपाठी

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। नगर निगम की ओर से होटल संचालकों एवं व्यापारियों के साथ आयोजित बैठक में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या आने वाले श्रद्धालु हमारे अतिथि हैं। उनका सत्कार की भावना से स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अन्य धार्मिक नगरियों की तुलना में अयोध्या काफी साफ-सुथरी है और यहां जलापूर्ति की व्यवस्था भी बेहतर हुई है। यातायात को लेकर व्यापारियों की ओर से आए सुझावों के समाधान का भी प्रयास किया जाएगा।

महापौर ने बताया कि यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए मानस भवन और कंचन भवन की ओर से दो वैकल्पिक मार्ग विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने होम स्टे और होटल संचालकों से आग्रह किया कि ग्राहकों के कमरों में रामायण एवं पूजन के लिए आसनी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु अयोध्या पर्यटन के लिए नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा ग्रहण करने के लिए आते हैं। इसलिए यहां से लौटते समय उनके मन में अयोध्या की दिव्यता और आध्यात्मिकता की अनुभूति होनी चाहिए।

नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने होटल संचालकों से कहा कि प्रत्येक कमरे में दो डस्टबिन रखें। नीले डस्टबिन में सूखा और हरे में गीला कचरा रखने की व्यवस्था हो। होटल से ही स्वच्छता का संदेश श्रद्धालुओं तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि घर-घर कूड़ा अलग करने की संस्कृति विकसित होने से नगर निगम को काफी सुविधा होगी। बैठक का संचालन अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव ने किया। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि इस मौके पर वशिष्ठ फाउंडेशन की ओर से होटल संचालकों को रामायण उपलब्ध कराई गई। साथ ही स्वच्छता नियमावली की प्रतियां और पंपलेट वितरित किए गए। सफाई संबंधी समस्याएं हल न होने पर मोबाइल नंबर 7311165804 पर सूचना देने की अपील की गई। बैठक में होटल संचालक अनिल अग्रवाल ने फतेहगंज से चौक तक सड़क की मरम्मत का मुद्दा उठाया।

साष्टांग दंडवत यात्रा निकाली गयी

जौनपुर। नागपंचमी और पवित्र श्रावण मास के तीसरे सोमवार को बोल बम दंडवत संघ की ओर से साष्टांग दंडवत यात्रा निकाली गई। सुबह करीब 9 बजे हनुमान घाट स्थित आदि गंगा गोमती के तट से शिवभक्तों ने पवित्र जल लेकर यात्रा की शुरुआत की। यात्रा का समापन मोहल्ला आलमगंज स्थित श्री श्री 1008 बाबा जागेश्वर नाथ धाम में जलाभिषेक के साथ हुआ। यात्रा हनुमान घाट से शुरू होकर चहारसू चैराहा, कोतवाली चैराहा और नवाब यूसुफ रोड होते हुए बाबा जागेश्वर नाथ धाम पहुंची। श्रद्धालुओं ने करीब डेढ़ किलोमीटर तक साष्टांग दंडवत करते हुए बाबा के दरबार में पहुंचकर जलाभिषेक किया। यात्रा के दौरान पूरे नगर में हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे। बाबा जागेश्वर नाथ का रथ शोभायात्रा के रूप में आगे चल रहा था। इसके पीछे गाजे-बाजे और भक्ति गीतों के साथ शिवभक्त उत्साहपूर्वक चल रहे थे। संस्थापक अध्यक्ष सत्यनारायण केसरी ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन हर वर्ष किया जाता है।

आस्था के साथ मनाया गया नाग पंचमी

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नाग पंचमी का पर्व सोमवार को उत्साह और आस्था के साथ मनाया गया। घरों से लेकर मंदिरों में नाग देवता की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। महिलाओं ने कपड़े की गुड़यि को पीटकर रस्म अदायगी की। बच्चों ने मेले का लुत्फ उठाया। महिलाओं ने घरों के मुख्य दरवाजों के पास गोबर से नाग देवता की आकृति बनाई और विधि-विधान से पूजा अर्चना की। नाग देवता को पकवानों का भोग लगाया गया। महिलाओं ने नाग देवता की पूजा करने के बाद शगुन के तौर पर गुड़यि की पिटाई की, ताकि कोई परेशानी उनके घर न आए। इसके अलावा शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने पर्व मनाया और दूध और लावा चढाया। मंदिरों के आसपास नाग दिखाने आए सपेरों के नागों को लोगों ने दूध भी पिलाया। ऐसी मान्यता है कि जो भी इस दिन श्रद्धा व भक्ति से नागदेवता का पूजन करता है, उसे व उसके परिवार को कभी भी सर्प भय नहीं होता. नाग की पूजा के बाद मंदिर में जाकर भगवान शिव की भी पूजा की जायेगी. कहा जाता है कि नाग की पूजा से सुख शांति व समृद्धि आती है। ज्ञात हो कि नाग वंश की उत्पत्ति की कथापुराणों में नाग वंश के उत्पन्न होने से लेकर और भी कई रोचक बातें बतायी गई हैं. महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थीं. इनमें से कदरु भी एक थी। कदरु ने अपने पति महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की. इससे प्रसन्न होकर महर्षि ने उसे वरदान मांगने के लिए कहा । कदरु ने कहा कि एक हजार तेजस्वी नाग मेरे पुत्र हो। महर्षि ने वरदान दे दिया। फलस्वरूप सर्पो की उत्पत्ति हुई। एक अन्य कथा प्रचलित है कि जब राजा जनमेजय ने सर्पो के विनाश के लिए सर्प यज्ञ कराया तो उस समय आस्तिक मुनि ने सर्पो को बचाया. धर्म ग्रंथों के अनुसार सर्प से भय के समय जो भी व्यक्ति आस्तिक मुनि का नाम लेता है, सांप उसे नहीं काटते।

निस्तारण कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे : डीएम

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में सोमवार को जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। उन्होने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। कहा कि शिकायतों का निस्तारण सिर्फ कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे। अधिकारी जरूरत पड़ने पर मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति की जांच करें और शिकायतकर्ता को संतुष्ट करते हुए समस्या का समाधान सुनिश्चित करें। संयुक्त जांच वाले मामलों में संबंधित विभागों की टीमें आपसी समन्वय से कार्रवाई करें। सबसे अधिक शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित रहीं। भूमि विवाद, पैमाइश, नामांतरण और कब्जे जैसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि राजस्व से जुड़े मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। कुल 46 शिकायतें आईं, जिनमें पांच का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को स्पष्ट किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शासन की मंशा के अनुरूप ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस दौरान एसडीएम सदर योगिता सिंह, तहसीलदार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

तीसरे सोमवार पर श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

जौनपुर। श्रावण मास के तीसरे सोमवार और नागपंचमी पर्व के अवसर पर बक्शा थाना क्षेत्र के उतरेजपुर स्थित प्रसिद्ध सायनाथ महादेव मंदिर में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भोर से ही मंदिर में जलाभिषेक और दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालु हाथों में दूध, बेलपत्र, धतूरा, भांग, जल, फूल और माला लेकर अपनी बारी का घंटों इंतजार करते नजर आए।मंदिर परिसर के बाहर पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग करीब 500 मीटर से अधिक लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए बैरिकेडिंग की गई है। पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहकर श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से दर्शन और जलाभिषेक करा रहा है। मंदिर परिसर में राजस्व कर्मियों समेत संबंधित अधिकारी अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे।

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं, संघर्षरत को मिलती है सफलता : डॉ . मणि शंकर तिवारी

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। एसएसवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ.मणि शंकर तिवारी ने कहा कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है। जो संघर्ष करते हैं उन्हें सफलता मिलती ही है। डॉ. तिवारी विद्यालय के पंडित दीन दयाल सभागार में आयोजित मेधावी सम्मान और स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। सत्र 2025-26 की वार्षिक परीक्षा में कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावियों को पुरस्कृत करते हुए उन्होंने कहा कि त्याग व समर्पण सीखना हो तो लाल बहादुर शास्त्री से और मातृभूमि से प्यार की पराकाष्ठा सीखनी है तो आजादी के क्रांतिकारियों से सीखना चाहिए। डॉ.तिवारी ने कहा कि सभी स्वतंत्र रहना चाहते हैं, लेकिन स्वतंत्रता के मूलमंत्र को नहीं समझ पाते हैं। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करें। देशभक्ति केवल स्वतंत्र दिवस मनाने से नहीं होती। बल्कि राष्ट्र के प्रति सच्ची निष्ठा, अनुशासन और कर्तव्य पालन से भी झलकती है। समारोह का शुभारंभ डॉ. तिवारी द्वारा ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी देने के साथ हुआ। एनसीसी कैडेट्स ने लेफ्टिनेंट उमाकांत भारती के कुशल नेतृत्व में अनुशासित मार्च पास्ट करते हुए तिरंगे को भव्य सलामी दी। विद्यालय के संगीत शिक्षक अनिल मिश्रा के निर्देशन में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह का सफल एवं मनमोहक मंच संचालन विवेकानंद पाण्डेय ने किया। इस दौरान उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र देव तिवारी, जग प्रसाद मौर्या, अवधेश सिंह, वारिज नयन शर्मा, अरुण दुबे, देवेंद्र कुमार मिश्रा, जयेंद्र पाठक, रवि प्रकाश श्रीवास्तव, मनीष सक्सेना सहित कई शिक्षक और अभिभावक मौजूद रहे।

मल्लिकार्जुन खड़गे के सभास्थल शुद्धिकरण करने के विरोध में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। हल्द्वानी में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के पश्चात जनसभा स्थल के कथित "शुद्धिकरण" किए जाने की घटना के विरोध में अयोध्या जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष चेतनारायण सिंह तथा महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने किया। कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस के रूप में कचहरी परिसर स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष पहुंचे, जहां उन्होंने घटना के विरोध में प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जातिगत भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक असमानता के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक भारत में कोई स्थान नहीं है। कचहरी परिसर में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी की उपस्थिति के बाद जनसभा स्थल का तथाकथित "शुद्धिकरण" किया जाना बेहद निंदनीय और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि यह केवल श्री खड़गे जी का अपमान नहीं, बल्कि संविधान की उस भावना का अपमान है जो प्रत्येक नागरिक को समानता और सम्मान का अधिकार देती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की रक्षा के लिए सदैव संघर्ष करती रही है और भविष्य में भी किसी भी प्रकार के जातिगत भेदभाव एवं छुआछूत के विरुद्ध लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि देश को जाति और भेदभाव की मानसिकता से मुक्त कराना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की जाति के आधार पर उसे अपमानित करना अथवा उसके स्पर्श से किसी स्थान को "अपवित्र" बताना संविधान और सामाजिक न्याय की भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता ऐसी विभाजनकारी मानसिकता के विरुद्ध एकजुट हैं और समाज में भाईचारा, समानता तथा आपसी सम्मान कायम करने के लिए लगातार संघर्ष करते रहेंगे। पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामदास वर्मा ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने जिस समानता और सामाजिक न्याय के भारत का सपना देखा था, उसकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। हल्द्वानी की घटना यह बताती है कि आज भी समाज में जातिगत भेदभाव की मानसिकता को समाप्त करने के लिए मजबूती से आवाज उठाने की आवश्यकता है।

षराबी पिता की पिटाई से पुत्री की मौत

जौनपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र मोहल्ला कालीकुत्ती परमानतपुर में एक शराबी पिता ने पहले अपनी किषोरी पुत्री को बेरहमी से पीटा फिर उसके गले में साड़ी का फंदा बनाकर पंखे की कुंडी से लटका दिया। उपचार के दौरान मौत हो गई है। उक्त मोहल्ला निवासी अखिलेश कुमार बिंद शराबी किस्म का व्यक्ति है जो प्रतिदिन अपने परिवार को प्रताड़ति किया करता था। घटना 15 अगस्त रात लगभग 11 बजे उक्त शराबी ने पहले अपनी पत्नी सुनीता बिंद को बेरहमी से पीटा जिसके डर से वह पड़ोस में जाकर छिप गई। अन्य बच्चों में 17 वर्षीया खुशबू , 12 वर्षीया गुंजा इधर उधर भाग गई, लेकिन 14 वर्षीय चंदा अपने शराबी बाप के हाथों का शिकार हो गई। बताते हैं कि शराबी पिता ने पहले उसे बेरहमी से पीटा और साड़ी का फंदा बनाकर घर में लगे पंखे से लटका दिया। शोरगुल सुनकर आसपास के एकत्रित हुए और लड़की को फांसी के फंदे उतारकर जिला अस्पताल ले गये।

मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह को लेकर हुई बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर होने वाले मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम को लेकर शिक्षक सभा के जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह की अध्यक्षता एवं डॉ घनश्याम यादव के संचालन में चयन समिति की बैठक आयोजित की गई, प्रवक्ता राकेश यादव ने बताया कि बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह ने कहा मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह वर्ष 2012 से प्रत्येक वर्ष शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर चयन समिति द्वारा चुने गए पांच शिक्षकों को श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह निरंतर मिलता है परंतु इस वर्ष 4 सितंबर को कृष्ण जन्माष्टमी होने के कारण आयोजन समिति द्वारा सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया कि एक दिन पहले 3 सितंबर दिन गुरुवार को दिन में 1. बजे पार्टी कार्यालय गुलाब बाड़ी लोहिया भवन पर शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें चुने गए शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा महासचिव डॉ. घनश्याम यादव ने कहा श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह की स्थापना पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन द्वारा 2012 में स्थापित की गई थी और तभी से प्रत्येक वर्ष शिक्षकों के सम्मान और उत्साह वर्धन करने के लिए शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर उनको सम्मानित करने के लिए यह आयोजन किया जाता है इस अवसर पर विमल सिंह यादव यादव रणधीर सिंह तहसीलदार सिंह डॉक्टर हनुमान प्रसाद मिश्रा रमेश सिंह आनंद कुमार शुक्ला सुरेश कुमार अमरनाथ वर्मा प्रदीप कुमार तिवारी डॉक्टर श्याम प्रकाश वर्मा डॉक्टर अवनीश प्रताप सिंह पंकज कुमार यादव दालसिंगार गौड़ जयप्रकाश चौरसिया अशोक कुमार साहनी अनिल कुमार वर्मा राम कैलाश यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

संक्षेप

कृषि वैज्ञानिक पर हमला कर लाठियों से पीटा

जौनपुर। कृषि विज्ञान केंद्र बक्सा में तैनात वैज्ञानिक डॉ. सुरेश कुमार कन्नौजिया के साथ पॉलिटेक्निक चैराहे के पास मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दवा लेकर स्कूटी से घर लौट रहे वैज्ञानिक को उनके ही विभाग के कर्मचारियों समेत चार लोगों ने रास्ते में रोककर स्कूटी से गिरा दिया और लाठी-डंडों से मारपीट की। हमलावरों पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। बताया गया कि डॉ. कन्नौजिया ने कुछ दिन पहले कृषि विज्ञान केंद्र में तैनात राजीव कुमार सिंह, रूपेश कुमार सिंह और हरिओम वर्मा के खिलाफ कार्य में लापरवाही की शिकायत निदेशक प्रसार से की थी। आरोप है कि इसी रंजिश में शाम करीब सात बजे नईगंज से दवा लेकर लौटते समय पॉलिटेक्निक चैराहे के पास आरोपियों ने उन्हें घेर लिया। डॉ. कन्नौजिया के मुताबिक, आरोपियों ने उन्हें स्कूटी से गिराकर मारपीट की और स्कूटी को भी डंडे से क्षतिग्रस्त कर दिया। जाते समय आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।घटना के बाद घायल वैज्ञानिक ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट, जान से मारने की धमकी और जातिसूचक शब्दों के प्रयोग सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दिव्यांग दंपति के साथ मारपीट में एफआईआर

जौनपुर। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के मीरपुर खास निवासी दिव्यांग कनक लता पॉल व उनके पति शिवबहादुर ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया कि उनके घर तक आवागमन के लिए रस्ते को उनके पट्टीदारों द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया है जिसे लेकर आएदिन लड़ाई झगड़ा होता रहता है। 25 जुलाई को विपक्षीगणों द्वारा उक्त रास्ते को लेकर मुझे, मेरे दिव्यांग पति व सास को मारा पीटा गया। घटना की जानकारी थाने पर लिखित तहरीर के माध्यम से देने के बाद भी विपक्षी गणों के विरुद्ध स्थानीय पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की बल्कि उनके प्रभाव में आकर हम लोगों के विरुद्ध ही ये एफआईआर दर्ज कर लिया गया। प्रार्थीनी द्वारा उक्त आरोपों के बावत दिनांक 14 अगस्त को पुलिस अधीक्षक को शिकायत दिया जिस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए विपक्षीगणों में 4 के विरुद्ध बीएनएसएस की धारा 115(2), 351(3),352, के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

स्टे राड में करंट से भैस मरी

जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र के कुकरौधा चकरा गांव में विद्युत पोल के स्टे राड में उतर रहे करंट की चपेट में आने से एक भैंस की मौत हो गई। यह भैंस चकरा निवासी सुरेश राम की थी।जानकारी के अनुसार, सुरेश राम की भैंस खेत में घास चर रही थी। चरते-चरते वह धीरे-धीरे विद्युत पोल के करीब पहुंच गई। पोल के स्टे राड में बिजली का करंट उतर रहा था, जिसकी चपेट में आने से भैंस बुरी तरह झुलस गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल विद्युत विभाग के विसापुर फीटर पर दी। सूचना मिलते ही विद्युत कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और पोल में उतर रहे करंट को ठीक कर बिजली आपूर्ति सुचारु करवाई। अवर अभियंता राकेश कुमार ने बताया कि भैंस की मौत की सूचना का संज्ञान लिया गया है। विद्युत विभाग में फॉर्म 44 की प्रक्रिया पूरी कर दी गई है। जांच के बाद विद्युत विभाग द्वारा किसान को भैंस की कीमत की भरपाई की जाएगी।

मोहम्मद कमर सपा के प्रदेश सचिव नामित

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव की अनुमति से मोहम्मद कमर पुत्र मोहम्मद शरीफ निवासी सिविल लाइन निकट कृषि भवन अयोध्या को समाजवादी पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव नामित किए जाने पर सपा पदाधिकारी और नेताओं ने खुशी जाहिर की है प्रवक्ता राकेश यादव ने बताया मोहम्मद कमर को प्रदेश सचिव नामित किए जाने पर सांसद अवधेश प्रसाद पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव,,अब्बास अली जैदी रुश्दी पार्टी के पदाधिकारी वरिष्ठ नेताओं सभी फ्रंटल संगठन के पदाधिकारी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है।

कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉकवार बैठकें सम्पन्न

त्रअयोध्या। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआइसीसी) के संगठन सृजन अभियान के तहत अयोध्या जनपद के सभी 15 ब्लॉकों में ब्लॉकवार बैठकें सफलतापूर्वक सम्पन्न हुईं। इस अवसर पर एआइसीसी पर्यवेक्षक विकास ठाकरे तथा पीसीसी पर्यवेक्षक कैप्टन बंशीधर मिश्रा एवं वीरेंद्र पांडेय 'बब्लू' ने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पद के दावेदारों के साथ संयुक्त बैठक की। बैठक में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत एवं रचनात्मक चर्चा की गई। सभी दावेदारों ने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा पार्टी को जमीनी स्तर पर और सशक्त बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक में दावेदारों के बीच दिखाई दी एकजुटता, उत्साह और संगठन के प्रति साझा प्रतिबद्धता से पर्यवेक्षकगण बेहद उत्साहित नजर आए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता और सक्रियता से अयोध्या जनपद में संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा पार्टी का भविष्य और अधिक उज्ज्वल होगा।

बसहा बस स्टाप परिवहन निगम की सूची में दर्ज

सोहावल-अयोध्या।लखनऊ गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर स्थित बसहा चौराहा अब परिवहन निगम के अधिकृत बस स्टाप की सूची में शामिल हो गया है। इससे लखनऊ, गोरखपुर समेत अन्य शहरों से इस मार्ग पर आने-जाने वाले यात्रियों को बसहा चौराहे तक का टिकट मिलना शुरू हो गया है । दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित पत्रकार धर्मपाल सिंह के प्रयास से बसहा चौराहे पर शहीद देवी प्रकाश सिंह के स्मारक के पास परिवहन निगम का स्टॉपेज बनने के बाद 20 जुलाई 2025 को उत्तर प्रदेश परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह द्वारा झंडी दिखाकर परिवहन निगम की बसहा बस सेवा का भव्य शुभारंभ हजारों लोगों की मौजूदगी में बीकापुर विधायक डा- अमित सिंह चौहान के साथ करके जनता को समर्पित किया था। स्टाप सेवा का भव्य शुभारंभ करने के दौरान शहीद देवी प्रकाश सिंह के सम्मान में सिंगल विंडो टिकट घर यात्रियों ठहरने के लिए बेहतरीन ढंग से भवन बनवाने की बात कही थी।

कहीं आप भी तो नहीं पैरेंटल बर्नआउट के शिकार, जानिए इससे निपटने के तरीके

कई माता-पिता बच्चों की देखभाल में इतना खो जाते हैं कि खुद को समय नहीं दे पाते। लगातार जिम्मेदारियों का बोझ उन पर हावी हो जाता है और वे बच्चों के लिए कुछ न कर पाने का दोष भी खुद को देने लगते हैं।

कई पैरेंटस तो बच्चों की परवरिश में इतना डूब जाते हैं, कि खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते और अवसाद, तनाव जैसी बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। यहीं से शुरुआत होती है पैरेंटल बर्नआउट की। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें 66 प्रतिशत वर्किंग पैरेंटस अपने बच्चों की देखभाल से इतना थक जाते हैं कि उन्हें लगता है कि अब उनके पास देने के लिए कुछ नहीं बचा है।

राज एक्सप्रेस। क्या आप भी एक बच्चे के माता-पिता हैं। अगर हां, तो जिम्मेदार माता-पिता की तरह अपने बच्चे की हर जिम्मेदारी को बखूबी निभाने का प्रयास करते होंगे। कई पैरेंटस तो बच्चों की परवरिश में इतना डूब जाते हैं, कि खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते और अवसाद, तनाव जैसी बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। यहीं से शुरुआत होती है पैरेंटल बर्नआउट की। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें 66 प्रतिशत वर्किंग पैरेंटस अपने बच्चों की देखभाल से इतना थक जाते हैं कि उन्हें लगता है कि अब उनके पास देने के लिए कुछ नहीं बचा है। कोई भी माता पिता पैरेंटल बर्नआउट का अनुभव कर सकते हैं। हालांकि, ज्यादातर लोग सोचते हैं कि यह पैरेंटिंग का ही एक हिस्सा है, इसलिए वे इसे किसी के साथ शेयर नहीं करते । लेकिन अपनी भावनाओं को छुपाना मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। अगर आप भी पैरेंटल बर्नआउट की गिरफ्त में हैं, तो यहां बताया गया है कि आप इससे कैसे बच सकते हैं।

पैरेंटल बर्नआउट के लक्षण

शारीरिक या भावनात्मक थकावट का अनुभव करना।

अपनी पैरेंटिंग को लेकर शर्मिंदगी महसूस करना, या यह सोचना कि वे उतने अच्छे माता-पिता नहीं हैं जितने पहले हुआ करते थे।

माता-पिता होने की भूमिका से तंग आ जाना।

अपने बच्चों से भावनात्मक रूप से अलग महसूस करना।

पैरेंटल बर्नआउट के कारण

काम का बोझ

हर माता-पिता को एक समय पर कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं। ऐसे में वह बिना आराम किए लगातार काम करते हैं। यह बर्नआउट का कारण बन सकता है।

सपोर्ट न होना

आज भी महिलाओं के काम को तवज्जो नहीं दी जाती और न ही कोई उन्हें सपोर्ट करता है। वर्किंग मदर के लिए तो यह और भी चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि उनके पास बच्चों की देखभाल करने वाला या काम में हाथ बटाने वाला कोई नहीं है। ऐसे में वह बर्नआउट की शिकार हो सकती है।

तारीफ न मिलना

घर की जिम्मेदारी को ठीक से निभाने के बाद भी जब तारीफ न मिले, तो महिला का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और बर्नआउट के रूप में सामने आता है।

बर्नआउट तनाव से कैसे अलग है

कई लोग बर्नआउट को तनाव समझ लेते हैं, लेकिन बता दें कि बर्नआउट एक लंबे समय तक चलने वाली स्थिति है। जबकि तनाव अस्थाई है। तनाव अधिक सक्रियता का कारण बनता है, जबकि बर्नआउट लाचारी और निराशा का कारण है। तनाव से चिंता विकार और अवसाद हो सकता है जबकि बर्नआउट आमतौर पर अवसाद से जुड़ा हुआ है।

पैरेंटल बर्नआउट से कैसे बचें

खुद के लिए समय निकालें

पैरेंटस के रूप में कई बार हमें ऐसा लगता है कि हम अपना 100 प्रतिशत नहीं दे रहे हैं। इस जगह हम न केवल तनाव महसूस करते हैं, बल्कि हमें असफलताओं का अनुभव भी होता है। ऐसे में खुद को दोष न दें , बल्कि अपने लिए थोड़ा समय निकालें। एक शोध से पता चला है कि जो माता-पिता खुद की देखभाल को प्राथमिकता देते हैं, उनका समग्र स्वास्थ्य बेहतर होता है।

मदद लें

ऐसी कई चीजें हैं, जो बर्नआउट में योगदान देती हैं। इनमें समर्थन की कमी, जिम्मेदारी का उच्च स्तर, वर्कप्लेस की टेंशन, बूढ़े माता-पिता की देखभाल और वित्तीय चिंताएं शामिल हैं। माता-पिता के लिए बर्नआउट के संकेतों की पहचान करना और जरूरत पड़ने पर मदद लेना जरूरी है। आमतौर पर महिलाएं पर ही बच्चों के देखभाल की जिम्मेदारी होती है। ऐसे में उनके जीवनसाथी और परिवार के सदस्यों को उनके बर्नआउट के संकेतों पर नज़र रखनी चाहिए और उनके कहे जाने से पहले ही उनकी मदद करनी चाहिए।

पॉजिटिव पैरेंटिंग स्ट्रेटजी अपनाएं

हेल्दी पैरेंटिंग स्ट्रेटजी को अपनाने से आप इस प्रॉब्लम से दूर हो सकते हैं। इसके अलावा इमोशनल सपोर्ट के लिए अपने साथी और करीबी दोस्तों से बात करें। आप चाहें, तो एक मॉम ग्रुप जॉइन कर सकती हैं। यहां आपको अपनी पैरेंटिंग प्रॉब्लम को शेयर करने के साथ इस पर दूसरों के विचार जानने को मिलेंगे।

काम से जुड़े बदलाव करें

प्रोफेशनल लाइफ में भी कुछ बदलाव करने से पैरेंटल बर्नआउट को कम करने में मदद मिल सकती है। वर्क फ्रॉम होम या फिर ऐसी जॉब चुनें, जहां आपको कुछ ही घंटे काम करना हो। ऐसे में आप अपने काम, बच्चों और परिवार के बीच बेहतर संतुलन बना पाएंगे ।

हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं

हर रात कम से कम सात घंटे की नींद लें। किसी भी कंडीशन में ब्रेकफास्ट स्किप न करें और जंक फूड से दूर रहें। रैगुलर वर्कआउट करना भी जरूरी है। यह बर्नआउट के लिए एक पॉवरफुल एंटीडोट है।

पैरेंटिंग एक बड़ी जिम्मेदारी है। अगर आपको अपने काम के लिए सराहना, मान्यता और समर्थन नहीं मिलता, तो आप थक सकते हैं और बर्नआउट के शिकार हो सकते हैं। पैरेंटिंग का भी अपना मजा है। इसलिए बर्नआउट के दबावों को दूर करने के लिए यहां बताए गए तरीके अपनाएं और खुश रहें।

रात को सोने से पहले भी रखें त्वचा का ध्यान, जानिए क्यों जरूरी है नाइट स्किन केयर

अपनी फिजिकल हेल्थ की तरह त्वचा का ख्याल रखना भी जरूरी है। लोग दिन के समय ही अपनी त्वचा का ध्यान रखते हैं लेकिन नाइट स्किन केयर भी बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं कि रात के समय स्किन केयर क्यों जरूरी है।

सुबह उठने के बाद हम सभी स्किन केयर रुटीन को फॉलो करते हैं। इससे स्किन पूरा दिन हेल्दी और ग्लोइंग रहती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जितना जरूरी मॉर्निंग स्किन केयर रुटीन है, उतना ही जरूरी नाइट स्किन केयर भी है। स्किन एक्सपर्ट कहते हैं कि रात को सोने से पहले भी त्वचा पर ध्यान देना जरूरी है।

पूरे दिन स्किन धूप और प्रदूषण के संपर्क में आती है, जिसके चलते त्वचा बेजान और डल नजर आ सकती है। स्किन केयर रूटीन सिर्फ एक ब्यूटी ट्रेंड नहीं है बल्कि आपकी स्किन को हेल्दी और नमी युक्त रखने का एक सीक्रेट भी है। आइए जानते हैं कि रात के समय स्किन केयर रुटीन जरूरी है।

स्किन होती है रिपेयर

रात के समय हमारा पूरा शरीर रिपेयरिंग मोड में चला जाता है। इसके कारण स्किन प्रदूषण और सूरज की हानिकारक यूवी किरणों के नुकसान से उबर पाती है। ऐसे में रात के समय स्किन पर उन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें, जो सेल टर्नओवर पर फोकस रखते हैं। इस समय आप रेटिनॉल जैसी चीजों को अप्लाई करेंगे।

कोलेजन बूस्ट

रात के समय आपका शरीर ज्यादा मात्रा में कोलेजन बनाता है। ये स्किन इलास्टिसिटी में जरूरी है। ये त्वचा में झुर्रियां कम करने में मदद करता है। रात के समय कोलेजन बढ़ाने वाले वाले प्रोडक्ट्स जैसे- रेटिनॉल का इस्तेमाल कर सकती है। इससे स्किन जवां और हेल्दी नजर आती है।

खुद को रखें हाइड्रेट

त्वचा का ख्याल रखने के लिए जरूरी है कि आप जितना हो सके, खुद को हाइड्रेट रखें। ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और शरीर में टॉक्सिंस बाहर निकलेंगे।

विटामिन हैं जरूरी

इसके अलावा, त्वचा के लिए कुछ विटामिन भी जरूरी हैं। डाइट में विटामिन ए, बी12, सी और डी से भरपूर चीजों को शामिल करें। इससे एक्ने-पिंपल, फाइन लाइन्स और झुर्रियों से राहत मिलती है।

रात को सोने से पहले स्किन केयर रूटीन में त्वचा को मॉइश्चराइज करना बेहद जरूरी है। आप रात के समय हाइलूरोनिक एसिड वाले स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे स्किन में हाइड्रेशनलॉक रहता है।

क्या आपको भी है रात में जागने की आदत, तो जान लें इससे होने वाले ये गंभीर नुकसान

दिनभर की थकान के बाद कई लोग बिस्तर पर जाते ही सो जाते हैं तो वहीं कुछ लोगों को जल्दी नींद ही नहीं आती। ऐसे में वो देर रात तक जागते हैं। कई लोगों को ऑफिस के काम की वजह से भी रात में जागना पड़ता है लेकिन क्या आप जानते हैं इससे आपकी सेहत पर क्या असर पड़ता है?

अक्सर आपने लोगों को कहते सुना होगा कि मैं तो नाइट आउल हूं, यानी वे लोग जो रात में जागकर काम या मूवी आदि देखना पसंद करते हैं। आजकल अधिकतर लोग खासकर यंगस्टर रात में जागते हैं। कई बार ऑफिस के काम की वजह से भी लोग रात में जागकर उसे पूरा करने की कोशिश रहते हैं। ऐसे में लोग पर्याप्त नींद भी नहीं ले पाते हैं, जिसका असर उनकी सेहत पर पड़ता है।

सेहत को लेकर ऐसी लापरवाही कई बीमारियों को जन्म देती हैं। स्वस्थ रहने के लिए कम से कम 7-8 घंटे की नींद सोना चाहिए। इससे कम सोने वाले लोगों को मोटापा, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द आदि की समस्याओं से जूझना पड़ता है। अगर आप भी ये गलती करते हैं, तो आपको बता दें कि आप अपनी सेहत के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं।

आयु होती है कम

पर्याप्त नींद नहीं लेने से आयु कम होती है। दक्षिण कोरिया में 16 सालों तक किए गए एक शोध के अनुसार जो लोग रात में ज्यादा देर जागना पसंद करते थे, उन्हें कम उम्र में ही अपनी जान से हाथ गंवाना पड़ा। यह शोध 40 से 69 उम्र के लोगों के बीच में किया गया था।

दिमाग पर पड़ता है असर

जो लोग रात में ज्यादा देर तक जागते हैं, उन्हें मेमोरी लॉस, डिसीजन मेकिंग आदि में समस्या का सामना करना पड़ता है। देर से सोने वाले लोगों में मूड स्विंग भी देखे जा सकते हैं।

वजन बढ़ना

कई बार देखा गया है कि जो लोग रात में कम सोते हैं, उन लोगों में वजन बढ़ने की संभावना ज्यादा होती है। ऐसे लोग जल्दी वेट गेन कर लेते हैं क्योंकि वजन बढ़ने का एक कारण हार्मोनल इम्बैलेंस होता है, जिससे सेहत बिगड़ती है।

इम्युनिटी कम होती है

जो लोग रात में पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, उन लोगों की इम्युनिटी लो रहती है, जिससे वे जल्द बीमार पड़ते हैं। इसलिए रात में पर्याप्त नींद लें ताकि शरीर स्वस्थ रहे।

बिना दस्तावेजों के पाएं अर्जेंट कैश लोन

1 घंटे में उपलब्ध में उपलब्ध हो जाता है अर्जेंट कैश लोन

अर्जेंट कैश लोन की मदद से अपने सभी छोटे-बड़े खर्चों को आराम से पूरा करें। अचानक कार की मरम्मत की जरूरत या मेडिकल बिल का भुगतान करने की हो या फिर अपने ड्रीम वेकेशन पर जाने की बात हो जिनके खर्च का वहन फिलहाल आप नहीं कर सकते हैं– इस तरह के हालात आपको नकद पैसों के लिए हाथ-पांव मारने पर मजबूर कर सकते हैं।

जिन्दगी में अक्सर ऐसे मोड़ सामने आते हैं जिनके बारे में हमने सोचा नहीं होता है, और कभी-कभी तो ऐसी अनचाही परिस्थितियों का सीधा असर हमारी जेब पर पड़ता है। बात चाहे अचानक कार की मरम्मत की जरूरत या मेडिकल बिल का भुगतान करने की हो, या फिर अपने ड्रीम वेकेशन पर जाने की बात हो, जिनके खर्च का वहन फिलहाल आप नहीं कर सकते हैं– इस तरह के हालात आपको नकद पैसों के लिए हाथ-पांव मारने पर मजबूर कर सकते हैं। लेकिन जरा सोचिए कि, अगर कागजी कार्रवाई की झंझट के बिना तुरंत रकम पाने का कोई तरीका हो, तो कितना अच्छा होगा? यहीं पर बजाज फाइनैंस का इंस्टा पर्सनल लोन आपके काम आता है, जो मजबूत आर्थिक सहारा बनकर इस कमी को दूर करने में आपकी मदद कर सकता है, खास तौर पर उस वक्त, जब आपके लिए सामने आने वाले खर्चों को तुरंत पूरा करना जरूरी हो।

अर्जेंट कैश लोन क्या है?

पैसों की सख्त जरूरत पड़ने पर, 1 घंटे में उपलब्ध होने वाला अर्जेंट कैश लोन सबसे बड़ा सहारा बनकर सामने आता है। सामान्य तौर पर उपलब्ध लोन के लिए लंबी-चौड़ी कागजी कार्रवाई की जरूरत होती है और इसकी प्रक्रिया पूरी होने में काफी वक्त लगता है, लेकिन इसके विपरीत ये लोन तेजी और सुविधा को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किए गए हैं। ये अनसिक्योर्ड लोन होते हैं, जिसका मतलब है कि आपको लोन पाने के लिए कोई कलैटरल जमा करने की जरूरत नहीं होती है।

तुरंत और आसान आवेदन प्रक्रिया: लोन की रकम तेजी से पाने की सुविधा

बजाज फाइनैंस के इंस्टा पर्सनल लोन की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि, इसके आवेदन की प्रक्रिया सुव्यवस्थित है और लोन की रकम भी तेजी से प्राप्त होती है। नीचे बताया गया है कि किन बातों की उम्मीद की जानी चाहिए।

प्री-अप्रूव्ड ऑफर: आप सिर्फ अपने मोबाइल नंबर और OTP की मदद से जान सकते हैं कि, आपके लिए प्री-अप्रूव्ड ऑफर उपलब्ध है या नहीं।

ऑनलाइन सुविधा: अब बैंक शाखाओं में जाकर लंबे समय तक इंतज़ार करने की परेशानी को भूल जाइए। इंस्टा पर्सनल लोन की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया उपयोगकर्ताओं के अनुकूल है। अब आप अपने घर में सोफे पर आराम से बैठकर लोन प्राप्त कर सकते हैं, जिसके लिए एक छोटे-से फॉर्म में आपको सिर्फ अपनी बुनियादी जानकारी और जरूरत के अनुसार लोन की रकम भरनी होगी।

बेहद कम या किसी दस्तावेज़ की जरूरत नहीं: वो दिन अब बीत गए, जब लोन पाने के लिए ढेर सारे दस्तावेजों को इकट्ठा करना और उन्हें जमा करना पड़ता था। आमतौर पर अर्जेंट कैश लोन के लिए बेहद कम दस्तावेजों की ज़रूरत होती है, जैसे आपका PAN कार्ड और पते का प्रमाण। चुनिंदा ग्राहक इंस्टा पर्सनल लोन के ज़रिये कोई दस्तावेज जमा किए बिना भी लोन की रकम प्राप्त कर सकते हैं।

तुरंत रकम पाने की सुविधा: क्या आपको इसकी सबसे अच्छी बात मालूम है? अब आपको कोई फैसला लेने के लिए हफ्तों इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा। लोन की प्रक्रिया अक्सर मिनटों या कुछ घंटों में पूरी हो जाती है। एक बार मंजूरी मिलने के बाद, लोन की रकम सीधे आपके बैंक खाते में जमा कर दी जाती है।

आवेदन करने से पहले: कुछ मुख्य बातों का ध्यान रखें, हालांकि इंस्टा पर्सनल लोन एक तेज और सुविधाजनक समाधान है, लेकिन लोन लेने से जुड़ी जिम्मेदारी को निभाना भी मायने रखता है। यहां कुछ महत्वपूर्ण बातों के बारे में बताया गया है, जिन्हें ध्यान में रखना जरूरी है:

ब्याज दरें और शुल्क: आवेदन करने से पहले ब्याज़ दरों, प्रोसेसिंग शुल्क तथा अन्य शुल्कों के साथ-साथ लोन चुकाने की शर्तों पर अच्छी तरह गौर करें।

लोन चुकाने की क्षमता: आप जितना आराम से चुका सकते हैं, उससे ज्यादा रकम का लोन नहीं लें। लोन की अदायगी में चूक होने से आपके क्रेडिट स्कोर पर बुरा असर पड़ सकता है। अपनी मासिक किस्तों का अंदाज़ा लगाने और अपने बजट के अनुरूप लोन की रकम के बारे में जानने के लिए इंस्टा पर्सनल लोन EMI कैलकुलेटर का उपयोग करें।

जिम्मेदारीपूर्वक लोन लें: लोन की रकम उतनी ही होनी चाहिए, जिसकी आपको वास्तव में जरूरत हो। ज़रूरत से ज्यादा खर्च करने के प्रलोभन से दूर रहें।

इंस्टा पर्सनल लोन आपकी मौजूदा आर्थिक स्थिति और जरूरी खर्चों के बीच के अंतर को दूर करने का एक प्रभावशाली साधन हो सकता है। हालाँकि, हमेशा याद रखें कि लोन लेने से जुड़ी जिम्मेदारी को निभाना और समय पर लोन चुकाना सबसे ज्यादा मायने रखता है। समझदारी पूर्वक योजना बनाने और जिम्मेदारी से उपयोग करने पर, इंस्टा पर्सनल लोन आपके खर्चों को पूरा करने में बेहद मददगार साबित हो सकता है।

क्रेडिट स्कोर हो गया डाउन? इन 5 तरीकों से खुद कर सकते हैं सुधार

आज के समय में क्रेडिट स्कोर आपकी आर्थिक स्थिति का एक जरूरी हिस्सा है। यह तीन अंकों की संख्या होती है, जो आमतौर पर 300 से 900 के बीच होती है। देश में TransUnion CIBIL, Experian, Equifax और CRIF High Mark जैसी क्रेडिट ब्यूरो कंपनियां यह स्कोर तैयार करती हैं। आमतौर पर 750 या उससे ज्यादा का स्कोर अच्छा माना जाता है। वहीं 650 या इससे कम स्कोर कमजोर माना जा सकता है। आपका क्रेडिट स्कोर इस बात पर असर डाल सकता है कि आपको लोन कितनी आसानी से मिलेगा, ब्याज कितना लगेगा और बैंक आपको कितनी अच्छी शर्तें देगा।

कई बार आपकी गलती के बिना भी क्रेडिट रिपोर्ट में गलत जानकारी दर्ज हो जाती है। ऐसी छोटी गलती भी स्कोर को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए अपनी क्रेडिट रिपोर्ट को समय-समय पर चेक करना जरूरी है।

1- अपनी क्रेडिट रिपोर्ट रेगुलर चेक करें

लोन लेने के समय ही रिपोर्ट चेक न करें। समय-समय पर अपनी रिपोर्ट देखें। इसमें अपना नाम, पता, लोन अकाउंट, बकाया रकम, भुगतान की जानकारी और हाल की क्रेडिट जांच को ध्यान से देखें। कोई ऐसी जानकारी दिखे जिसे आप पहचानते नहीं हैं, तो तुरंत चेक करें।

2- अनजान लोन अकाउंट जरूर देखें

अगर आपकी रिपोर्ट में ऐसा पर्सनल लोन, होम लोन या कोई दूसरा क्रेडिट अकाउंट दिख रहा है जिसे आपने कभी नहीं लिया, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह रिपोर्टिंग की गलती या धोखाधड़ी का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में क्रेडिट ब्यूरो और संबंधित बैंक या लोन कंपनी को तुरंत शिकायत करें।

3- पेमेंट हिस्ट्री चेक करें

कभी-कभी समय पर EMI भरने के बावजूद रिपोर्ट में लेट पेमेंट दिख सकता है। अपनी क्रेडिट रिपोर्ट की पेमेंट हिस्ट्री को बैंक स्टेटमेंट, लोन स्टेटमेंट और भुगतान की रसीदों से मिलाएं। गलती मिलने पर उसे तुरंत ठीक करवाएं।

4- बंद लोन और डुप्लीकेट एंट्री चेक करें

अगर आपने कोई लोन पूरी तरह चुका दिया है, तो रिपोर्ट में उसका स्टेटस बंद होना चाहिए। उसमें गलत बकाया रकम या Active और Settled जैसी गलत जानकारी नहीं होनी चाहिए। यह भी देखें कि एक ही लोन की एंट्री दो बार तो नहीं दिखाई जा रही।

5- गलती मिले तो शिकायत करें और अपडेट चेक करें

गलती मिलने पर उससे जुड़े दस्तावेज और तारीखों को दोबारा चेक करें। इसके बाद क्रेडिट ब्यूरो में शिकायत दर्ज करें और जरूरी दस्तावेज जमा करें। शिकायत करने के बाद उसका स्टेटस भी लगातार चेक करें। सुधार होने के बाद अपनी अपडेटेड क्रेडिट रिपोर्ट दोबारा जरूर देखें।

क्रेडिट स्कोर सुधारने के लिए हमेशा कोई बड़ा बदलाव करने की जरूरत नहीं होती। कई बार सिर्फ क्रेडिट रिपोर्ट में दर्ज गलत जानकारी को ठीक करवाने से ही स्थिति बेहतर हो सकती है। इसलिए अपनी रिपोर्ट रेगुलर चेक करें और गलती मिलने पर तुरंत ठीक कराएं।

गाजा में कत्लेआम की खुली वकालत: 'हर रात 30-40 फलस्तीनियों को मारो'

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गठबंधन में शामिल कट्टरपंथी इस्राइली सांसद ने सार्वजनिक रूप से गाजा में हर रात '30 से 40' लोगों को मारने की वकालत की है। रविवार को सामने आए उनके इन बयानों को फलस्तीनी मीडिया ने साझा किया है। बेन-ग्विर ने यह बयान गाजा में बंधक रहे रोम ब्रास्लाव्स्की के साथ एक पॉडकास्ट बातचीत के दौरान दिया। दोनों 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के बाद इस्राइल की स्थिति पर चर्चा कर रहे थे। इसी दौरान बेन-ग्विर ने गाजा में हाल के दिनों में हमलों को कम करने के इस्राइल के फैसले की आलोचना की। राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार के इस बयान ने गाजा में जारी युद्ध और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को लेकर एक बार फिर गंभीर बहस छेड़ दी है।

बेन-ग्विर ने पॉडकास्ट बातचीत के दौरान कहा, 'यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि मैं प्रधानमंत्री से सहमत नहीं हूं। मेरा मानना है कि गाजा में टार्गेट किलिंग की जानी चाहिए, जिसमें हर रात 30 से 40 लोगों को खत्म किया जाए। सिर्फ वे लोग ही नहीं, जिनसे तत्काल खतरा है, बल्कि वहां ऐसे लोग भी हैं जो जीने के लायक नहीं हैं। उन्हें जीवित नहीं रहना चाहिए। वे इंसान कहलाने के लायक भी नहीं हैं।'

यह कोई पहली बार नहीं है जब बेन-ग्विर ने ऐसा बयान दिया है। इससे पहले भी वह और इस्राइल के दूसरे अधिकारियों ने ऐसे बयान दिए हैं और उनके बयानों की कड़ी आलोचना हो चुकी है। उनके कई बयानों को संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय अदालत में नरसंहार की मंशा के सबूत के तौर पर पेश किया गया है। हालांकि, इस्राइल इस आरोप से इनकार करता रहा है कि उसने गाजा में नरसंहार किया है।

2023 में हमास के हमले के बाद बेन-ग्विर जैसे नेताओं की इस्राइली समाज के एक हिस्से में लोकप्रियता बढ़ी है। उस हमले में चरमपंथियों ने करीब 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और 251 लोगों को बंधक बना लिया था। कई बंधकों ने लंबे समय तक भूखे रहने, शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना तथा कुछ मामलों में यौन शोषण की बात बताई है।

सेना पर सीधे अधिकार नहीं, फिर भी प्रभावशाली

बेन-ग्विर के पास इस्राइली सेना पर कोई प्रत्यक्ष अधिकार नहीं है और वह गाजा में सैन्य हमलों का आदेश नहीं दे सकते। हालांकि, दशकों तक इस्राइल की अति-दक्षिणपंथी विचारधारा वाले गुटों के साथ काम करने के बाद वह अब देश के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल हैं।

जेलों और पुलिस पर बेन-ग्विर का नियंत्रण

इस्राइल की सुरक्षा व्यवस्था के अहम हिस्सों पर बेन-ग्विर का खासा प्रभाव है। वह देश की जेलों और राष्ट्रीय पुलिस बल की जिम्मेदारी संभालते हैं। इन जेलों में गाजा और वेस्ट बैंक के हजारों फलस्तीनी कैदी बंद हैं। बेन-ग्विर पहले भी फलस्तीनी कैदियों के भोजन में कटौती की वकालत कर चुके हैं। इस्राइल की सर्वोच्च अदालत ने 2025 में फैसला दिया था कि बेन-ग्विर के नेतृत्व में जेल प्रशासन फलस्तीनी कैदियों को जिंदा रहने के लिए जरूरी भोजन भी उपलब्ध नहीं करा रहा था।

युद्धविराम के बाद भी गाजा में जारी रहे हमले

हाल तक इस्राइल लगभग हर दिन गाजा पर हमले कर रहा था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, अक्टूबर में लागू हुए युद्धविराम समझौते के बाद से इन हमलों में 1,250 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इस्राइली सेना का कहना है कि उसके हमलों में हमास के लड़ाकों को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव के बाद इस्राइल ने हमलों में कुछ नरमी बरती। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ, जब नेतन्याहू ने युद्धविराम को आगे बढ़ाने की ट्रंप की हालिया कोशिश को ठुकरा दिया था।

हमलों का अधिकार सीमित होने से दक्षिणपंथी नाराज

इस्राइली मीडिया ने पिछले सप्ताह रिपोर्ट दी थी कि गाजा में हमले करने का अधिकार अब सेना के चीफ ऑफ स्टाफ तक सीमित कर दिया गया है। इस फैसले से बेन-ग्विर जैसे दक्षिणपंथी सांसदों में नाराजगी है।

बेन-ग्विर ने गाजा से फलस्तीनियों को हटाने की भी वकालत की

उसी रिकॉर्ड किए गए इंटरव्यू में बेन-ग्विर ने गाजा से फलस्तीनियों के बड़े पैमाने पर पलायन की वकालत की। अंतरराष्ट्रीय कानून के जानकार ऐसे प्रस्ताव को 'एथनिक क्लींजिंग' यानी नस्लीय सफाए के तौर पर देख सकते हैं। उन्होंने गाजा में इस्राइली बस्तियां दोबारा बसाने की भी बात कही।

'पूरे गाजा को अपना मानता हूं'

बीस साल पहले इस्राइल गाजा पट्टी से हट गया था। उस दौरान उसने 'गुश कातिफ' नाम की 21 यहूदी बस्तियों को खाली कराया और अपनी सेना को वहां से वापस बुला लिया था। बेन-ग्विर ने इंटरव्यू में कहा, 'मैं पूरे गाजा को अपना मानता हूं। सिर्फ गुश कातिफ में ही नहीं, बल्कि पूरे गाजा में बस्तियां बसाना, ज्यादा से ज्यादा लोगों को वहां से जाने के लिए प्रोत्साहित करना, उन्हें उनके देशों में भेजना और आतंकवादियों के लिए कोई पलायन नहीं, कुछ नहीं, बस उन्हें एक-एक करके मार डालना।'

ट्रंप की योजना में हमास से हथियार छोड़ने की शर्त

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया प्रस्ताव में हमास के धीरे-धीरे हथियार छोड़ने और इस्राइली सेना के हमले रोककर गाजा से पीछे हटने की योजना शामिल है। हमास ने इस समझौते को स्वीकार कर लिया है, हालांकि उसने अपने सबसे भारी हथियार सौंपने की शर्त को फलस्तीनी राज्य के गठन से जोड़ दिया है। इस मांग को इस्राइल की मौजूदा सरकार और ज्यादातर इस्राइली राजनेता पूरी तरह खारिज करते हैं।

नेतन्याहू का रुख बना हुआ है सख्त

नेतन्याहू का कहना है कि जब तक हमास के हथियार पूरी तरह जब्त नहीं कर लिए जाते, तब तक इस्राइल गाजा में अपनी किसी भी स्थिति से पीछे नहीं हटेगा। इस रुख के कारण प्रस्तावित युद्धविराम के दूसरे पहलू भी आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय सेना की तैनाती और युद्ध से तबाह गाजा के पुनर्निर्माण जैसे मुद्दे शामिल हैं, जो फिलहाल ठंडे बस्ते में

भूकंप की वजह से टाल दें टैरिफ... कोलंबिया के राष्ट्रपति ने ट्रंप से की मांग, तबाही में जा चुकी है 300 से ज्यादा जानें

कोलंबिया। कोलंबिया के नए राष्ट्रपति एबेलार्डो डे ला एसप्रिएला ने 15 अगस्त को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टेलीफोन पर बात की। उन्होंने ट्रंप से फोन पर कोलंबियाई उत्पादों पर लगाए गए नए टैरिफ को कुछ समय के लिए रोकने की अपील की। एबेलार्डो ने कहा, "दक्षिणी अमेरिकी ये देश घातक भूकंप के असर से जूझ रहा है। ऐसे में हाल ही में बढ़ाए गए इन टैरिफ पर रोक जरूरी है।" ये टैरिफ जुलाई के अंत में 10% से बढ़ाकर 12 ।5% कर दिए गए थे। वहीं कॉफी और तेल जैसे कुछ प्रोडक्स्ट को इससे छूट दी गई थी।

दरअसल, 10 अगस्त 2026 को आए 7 ।4 तीव्रता के भूकंप से कोलंबिया बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसमें करीब 294 लोगों की मौत हो चुकी है। हजारों घर तबाह हो गए हैं। यहां अर्थव्यवस्था पहले से ही कमजोर है। ऐसे में इस छूट से देश को काफी राहत मिल सकती है। अमेरिका कोलंबिया का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है।

डे ला एसप्रिएला ने 'X' पर कहा, "मैंने उनसे उन ऊंचे टैरिफ को कुछ समय के लिए रोकने पर विचार करने को कहा जो कोलंबियाई उत्पादों पर असर डाल रहे हैं, ताकि हमारे उन कारोबारियों को कुछ राहत मिल सके जो भूकंप के असर के कारण बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि बातचीत 'बहुत दोस्ताना और सौहार्दपूर्ण' रही। ट्रंप ने भूकंप के शिकार लोगों पर दुख जताया और मदद का आश्वासन दिया। कोलंबियाई राष्ट्रपति ने अमेरिका की बचाव टीमों और आर्थिक सहायता के लिए भी आभार जताया। डे ला एसप्रिएला ने बताया कि उन्होंने ट्रंप से लगभग 10 मिनट तक बात की।

एबेलार्डो ने उनसे कहा कि हमारे सामने एक बड़ी चुनौती है, बेहद मुश्किल और विनाशकारी आर्थिक हालात के बीच कोलंबिया को फिर के बनाना है, जो मुझे विरासत में मिले हैं।

हजारों घर हुए तबाह

इस भूकंप ने पश्चिमी कोलंबिया के शहरों कैली और परेरा में भारी तबाही मचाई, जिसमें लगभग 300 लोगों की मौत हो गई और करीब 13,000 घर तबाह हो गए। राष्ट्रपति पद की अपनी दौड़ के दौरान, ट्रंप ने दक्षिणपंथी विचारधारा वाले डी ला एसप्रिएला का समर्थन किया। ये एक करोड़पति वकील से राजनेता बने थे।

'उन्हें मेरी जगह बच्चे पसंद', प्रेस सेक्रेटरी लेविट के इस्तीफे पर मजाकिया अंदाज में बोले ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट जल्द ही अपने पद से हटने वाली हैं। इसी बीच जब पत्रकार मैकएडम्स ने ट्रंप से पूछा कि क्या लेविट की जगह किसी और को लाया जा सकता है, तो ट्रंप ने उनका खुलकर बचाव किया। उन्होंने कहा कि लेविट की जगह लेना आसान नहीं होगा। इसके साथ ही उनकी तारीफ करते हुए मजाकिया अंदाज में उनके इस्तीफे पर भी टिप्पणी की।

ट्रंप ने कहा, 'मुझे पता चला है कि कैरोलिन लेविट ट्रंप से ज्यादा अपने बच्चों को पसंद करती हैं। मुझे इस बात की बहुत चिंता है।' उन्होंने लेविट के अपने दो छोटे बच्चों को प्राथमिकता देने के फैसले का जिक्र करते हुए यह बात कही। जब मैकएडम्स ने पूछा कि लेविट के जाने के बाद ब्रीफ्रिंग रूम के पोडियम पर कौन आएगा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने वही सवाल पत्रकार से ही पूछ लिया। ट्रंप ने मैकएडम्स से पूछा, 'आप?' उन्होंने आगे कहा, 'आपके बारे में क्या ख्याल है?' इसके बाद ट्रंप ने मैकएडम्स के ब्रॉडकास्टिंग के काम की और तारीफ करने से पहले, पास ही खड़ी लीविट की प्रतिक्रिया जानी।

ट्रंप ने उनसे कहा, 'मैं हमेशा से आपको पसंद करता रहा हूं।' इसके साथ ही यह भी कहा कि वह अपनी भूमिका बखूबी निभा रही हैं। इस बातचीत ने लोगों का ध्यान खींचा क्योंकि ट्रंप ने अभी तक लेविट की जगह लेने वाले का आधिकारिक तौर पर एलान नहीं किया है। लेविट ने इस हफ्ते की शुरुआत में पुष्टि की थी कि वह अगस्त के आखिर में अपना पद छोड़ देंगी ताकि अपने परिवार के साथ ज्यादा ममय बिता सकें। बच्चों की परवरिश और इस मुश्किल काम के बीच संतुलन बनाने की चुनौतियों का जिक्र करते हुए, उन्होंने अपनी मां के तौर पर जिम्मेदारियों पर ध्यान देने की इच्छा जताई। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से उनके इस फैसले का समर्थन किया है। इसके साथ ही साफ किया कि व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद वह एक अहम बाहरी सलाहकार की भूमिका संभालेंगी। लेविट ने 1 मई को अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया था। अपनी मैटरनिटी लीव पूरी करने के बाद 16 जुलाई को ब्रीफिंग की जिम्मेदारियों पर लौटीं। हालांकि, उन्होंने इससे पहले ही कुछ चुनिंदा जिम्मेदारियां संभालना शुरू कर दिया था। उनके जाने से ट्रंप के दूसरे प्रशासन के कम्युनिकेशन सेटअप में एक अहम बदलाव आएगा।

एनएलएसआईयू में भी सीजेआई सूर्यकांत और बीसीआई चेयरमैन का विरोध, दीक्षांत समारोह में शामिल होने के खिलाफ छात्र

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगलूरू स्थित नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) के छात्रों और पूर्व छात्रों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के आगामी दीक्षांत समारोह में शामिल होने का विरोध किया है। 15 अगस्त को जारी एक बयान में छात्रों और पूर्व छात्रों ने नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद के छात्रों के नामांकन पर रोक लगाने वाले बार काउंसिल के आदेश की निंदा की। हालांकि यह आदेश वापस लिया जा चुका है। एनएलएसआईयू के छात्रों ने नालसर के छात्रों के प्रति एकजुटता जताते हुए कहा कि उन्होंने सत्ता के सामने सच बोलने का साहस और नैतिक दृढ़ता का अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। गौरतलब है कि इससे पहले नालसर में भी सीजेआई सूर्यकांत को विरोध का सामना करना पड़ा था।

छात्रों ने जारी बयान में क्या कहा?

2026 बैच के 165 स्नातक छात्रों, 409 मौजूदा छात्रों और 128 पूर्व छात्रों के हस्ताक्षर वाले बयान में कहा गया है, 'हम जानते हैं कि बीसीआई ने नालसर के खिलाफ सभी कार्यवाही बंद कर दी है। हालांकि, किसी सार्वजनिक विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के खिलाफ किसी वैधानिक संस्था द्वारा इस तरह की असंवैधानिक और गैरकानूनी कार्यवाही शुरू किया जाना ही अपने आप में गंभीर है। इससे न तो इन कार्रवाइयों की प्रकृति और व्यापक प्रभाव बदलता है और न ही बीसीआई तथा उसके चेयरमैन की जिम्मेदारी कम होती है।'

छात्रों ने बीसीआई की कार्रवाई को बताया मनमाना

छात्रों और पूर्व छात्रों ने दावा किया कि नामांकन पर रोक और जांच संबंधी आदेश वापस लेने के बाद भी बीसीआई की कार्रवाई मनमानी और गैरकानूनी प्रकृति की थी। छात्रों ने कहा, किसी विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह छात्र के शैक्षणिक जीवन का एक महत्वपूर्ण अवसर होता है, जिसमें वर्षों की मेहनत और लगन का जश्न मनाया जाता है। ऐसे देश में जहां वर्ग, जाति और लैंगिक असमानता जैसी बाधाओं के साथ-साथ उच्च शिक्षा की प्रवेश परीक्षाओं की खामियां भी विद्यार्थियों की पहुंच को प्रभावित करती हैं, वहां दीक्षांत समारोह परिवारों के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि का प्रतीक होता है।

दीक्षांत समारोह में शामिल होने का सीजेआई का विरोध

बयान में कहा गया, 'ऐसे में उन उच्च पदों पर बैठे लोगों को छात्रों को डिग्री प्रदान करने के लिए आमंत्रित करना, जिन्होंने उन्हीं छात्रों के प्रति सार्वजनिक रूप से अवमानना और उपेक्षा का भाव व्यक्त किया है, आपत्तिजनक, अपमानजनक और छात्रों तथा उनके संघर्ष का मजाक उड़ाने जैसा है।'

छात्रों और पूर्व छात्रों ने कहा, 'हम नालसर के अपने साथी छात्रों के साथ बिना किसी शर्त के एकजुटता के साथ खड़े हैं, जिन्होंने सत्ता के सामने सच बोलने का अनुकरणीय साहस और नैतिक दृढ़ता दिखाई है।' उन्होंने मांग की कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया नालसर के छात्र और शिक्षक समुदाय से, उनके अभिव्यक्ति और स्वतंत्र रूप से बोलने के मौलिक अधिकार में हस्तक्षेप करने की कोशिश के लिए बिना शर्त माफी मांगे।

नालसर में छात्रों ने किया था सीजेआई का विरोध

छात्रों ने सीजेआई के प्रस्तावित कैंपस दौरे पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद बार काउंसिल ने नालसर यूनिवर्सिटी के 2026 बैच के स्नातकों को अधिवक्ता के रूप में नामांकित नहीं करने का निर्देश दिया था। हालांकि बाद में विवाद होने पर बार काउंसिल ने इस आदेश को वापस ले लिया था और बार काउंसिल के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने भी माफी मांगी थी। 14 अगस्त को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के उस आदेश पर कड़ी नाराजगी जताई थी, जिसमें हैदराबाद स्थित नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 2026 बैच के स्नातकों को अधिवक्ता के रूप में नामांकित नहीं करने का निर्देश दिया गया था। सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि छात्रों को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। सीजेआई सूर्यकांत ने 14 अगस्त को कहा था, 'यह छात्रों और मेरे बीच का मामला है।' उन्होंने नालसर के छात्रों के विरोध के बाद बीसीआई की ओर से जारी आदेश को लेकर काउंसिल को कड़ी फटकार लगाई थी।

रिया चक्रवर्ती ने बयां किया अपना दुख, बोलीं– 'अब खुद को निर्दोष साबित...'

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती 'द ट्रेटर्स' सीजन 2' का हिस्सा हैं। इस शो में एक बातचीत के दौरान रिया ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद अपने ऊपर हुई जांच-पड़ताल के बारे में बात की है। रिया ने कहा...

शो 'द ट्रेटर्स 2' में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने कहा कि कई साल तक शक के दायरे में रहने के बाद अब वह लोगों के नजरिए में निर्दोष साबित होना चाहती हैं। रिया ने कहा... अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का निधन 2020 में हुआ था। रिया चक्रवर्ती उनकी गर्लफ्रेंड थीं। एक्टर की मौत के बाद रिया का जीवन पूरी तरह बदल गया। रिया को जेल जाना पड़ा और उन्हें सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करना पड़ा। सुशांत से जुड़े एक ड्रग्स मामले में रिया और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार भी किया था। मगर इस साल सीबीआई ने इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर रिया को सभी आरोपों से बरी कर दिया।

द ट्रेटर्स की कहानी दो ग्रुप्स के इर्द-गिर्द घूमती है। इस ग्रुप में इनोसेंट्स को मिलकर छिपे हुए गद्दारों की पहचान करनी होगी और उन्हें प्रतियोगिता से बाहर होने से पहले ही खत्म करना होगा। वहीं, गद्दार अपनी पहचान छिपाते हुए चुपके से दूसरों के खिलाफ साजिश रचते हैं।

ब्रेकअप के बाद स्क्रीन साझा करते नजर आएं ये एक्स स्टार कपल, क्या आप जानते हैं नाम?

ये सितारे रिश्ता खत्म होने के बाद अपने एक्स के साथ फिल्म में नजर आएं और सिनेमाघरों में धमाल मचा दी। इन सितारों में सलमान खान से लेकर प्रियंका चोपड़ा तक का नाम शामिल है।

हिंदी सिनेमा के सितारे अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल जिंदगी में तालमेल बिठाना बखूबी जानते हैं। इंडस्ट्री के तमाम ऐसे सेलिब्रिटी कपल हैं, जो लंबे समय तक रिश्ते में रहें, लेकिन आगे चलकर इन्होंने अलग होने का फैसला कर लिया।

हालांकि, कुछ सितारे ऐसे भी हैं जिन्होंने अपनी पर्सनल जिंदगी के बुरे लम्हों की आंच अपनी प्रोफेशनल जिंदगी पर नहीं आने दी। ये सितारे रिश्ता खत्म होने के बाद अपने एक्स के साथ फिल्म में नजर आएं और सिनेमाघरों में धमाल मचा दी। इन सितारों में सलमान खान से लेकर प्रियंका चोपड़ा तक का नाम शामिल है।

सलमान–कटरीना

रिपोर्ट की मानें तो, सलमान खान और कटरीना कैफ 7 साल के लंबे रिश्ते में रहे थे। हालांकि, सलमान के गुस्से की वजह से कटरीना उनसे दूर होने लगीं और उन्होंने ब्रेकअप रणबीर कपूर को डेट करना शुरू कर दिया था। फिलहाल कटरीना, विक्की कौशल के साथ शादी के बंधन में बंध चुकी हैं और दोनों अपनी शादीशुदा जिंदगी को सफल तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं। वहीं, सलमान-कटरीना की बात करें तो इन्होंने रिश्ता खत्म होने के बाद काम के मोर्चे पर कोई मनमुटाव नहीं रखा। दोनों सितारों ने ब्रेकअप के बाद भी कई फिल्मों में साथ काम किया। अब यह एक्स कपल जल्द ही 'टाइगर 3' में नजर आने वाला है।

रणबीर–कटरीना

रणबीर कपूर और कटरीना कैफ का प्यार 'अजब प्रेम की गजब कहानी' के दौरान गहराया था। हालांकि, रणबीर कपूर और कटरीना का यह रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चल पाया और दोनों ने समय रहते अपनी राहें अलग कर लीं। गौरतलब हो कि कटरीना-रणबीर ब्रेकअप के बाद फिल्म 'जग्गा जासूस' में साथ नजर आए थे।

रणबीर–दीपिका

रणबीर कपूर फिल्म 'बचना ए हसीनों' की शूटिंग के दौरान दीपिका पादुकोण के करीब आए थे। इन दोनों का रिश्ता जग-जाहिर था। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों रिलेशनशिप में भी रहे लेकिन दो साल बाद बढ़ते लड़ाई-झगड़ों को देख इन्होंने ब्रेकअप करने का फैसला कर लिया। वहीं, ऑन-स्क्रीन भी यह जोड़ी लोगों को काफी पसंद आती थी। यही नतीजा रहा कि दोनों ने अपने आपसी मतभेद को दूर रखते हुए इंडस्ट्री को 'ये जवानी ये दीवानी' और 'तमाशा' जैसी फिल्में दीं।

शाहिद–प्रियंका

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड इंडस्ट्री तक में अपनी पहचान बनाने वालीं एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा, शाहिद कपूर संग अपने रिश्ते को लेकर खूब सुर्खियों में थीं। इनका प्यार फिल्म 'कमीने' के दौरान परवान चढ़ा था। हालांकि, इनके रिश्ते ने भी समय के साथ दम तोड़ दिया। वहीं, इस एक्स कपल को अलग होने के बाद फिल्म 'तेरी मेरी कहानी' में साथ देखा गया।

शाहिद–करीना

शाहिद कपूर और करीना कपूर एक समय पर बेहद सीरियस रिलेशनशिप में रहे थे। दोनों कैमरे के सामने भी एक-दूजे के लिए अपना प्यार जाहिर करते देखे जाते थे। हालांकि, इनके रिश्ते में भी खटास आनी शुरू हो गई और देखते ही देखते यह लविंग कपल एक-दूसरे से अलग हो गया। इनके ब्रेकअप से फैंस को तगड़ा झटका लगा था। वहीं, यह एक्स कपल अलग होने के बाद भी स्क्रीन साझा करते देखे गए। दोनों ने फिल्म 'उड़ता पंजाब' में साथ काम किया था।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय
सम्पर्क: 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com